www.tamsasanket.com

वर्षः 30 || अंक 20 || अम्बेडकरनगर

शनिवार

11 अप्रैल 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2

आज़ादी का अमृत महोत्सव

समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा

दैनिक तमसा संकेत

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

https://epaper.tamsasanket.com

अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

मौसम

सूर्योदयः 05:48

सूर्यास्तः 06:28

अधिकतमः 35°00

न्यूनतमः 22°00

पेज 07 »

विशेष समाचार रेवड़ियों की राजनीतिः कल्याण... >> पेज 04 | 5 मजदूरों पर बजरी से भरा ... >> पेज 06 | 'बनावटी क्लाइमैक्स ...

एसआईआर के बाद 9 लाख वोटर्स घटे

शहर में अब 30.80 लाख मतदाता, सरोजनी नगर में सबसे ज्यादा, कैंट में सबसे कम

संशोधन

■ लखनऊ की सरोजनी नगर विधानसभा क्षेत्र 4,60,037 मतदाताओं के साथ सबसे बड़ा क्षेत्र है।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) अभियान के तहत मतदाता सूची की अंतिम लिस्ट जारी कर दी गई है। एसआ-ईआर से पहले लखनऊ में 39,94,535 मतदाता थे। फाइनल लिस्ट के बाद 30,80,350 मतदाता रह गए हैं। SIR की प्रक्रिया के बाद लखनऊ में 9,14,185 मतदाताओं की कमी दर्ज की गई है। भारत निर्वाचन आयोग की इस प्रक्रिया का 10 अप्रैल को अंतिम दिन था, जिसमें मतदाताओं को सूची जांचने का आखिरी मौका दिया गया था। 1 जनवरी 2026 को आधार मानकर तैयार की गई इस अंतिम सूची में लखनऊ की 9 विधानसभा सीटों का डेटा शामिल है। आंकड़ों के मुताबिक सरोजनी नगर विधानसभा क्षेत्र 4,60,037 मतदाताओं के साथ सबसे बड़ा क्षेत्र बनकर सामने आया है, जबकि लखनऊ पूर्व विधानसभा क्षेत्र में 3,19,147 मतदाता दर्ज किए गए हैं। >> (शेष पेज 06 पर)

- लखनऊ पश्चिम में एसआईआर की अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया।
- लखनऊ उत्तर में 154710 मतदाता कम हुए हैं।
- लखनऊ ईस्ट में 143478 मतदाता कम हुए है।
- लखनऊ की सरोजनी नगर विधानसभा क्षेत्र 4,60,037 मतदाताओं के साथ सबसे बड़ा क्षेत्र है।

तीन लाख नए मतदाताओं की एंट्री से बदला समीकरण

SIR के दौरान केवल नाम हटाने की प्रक्रिया ही नहीं हुई, बल्कि नए मतदाताओं को भी जोड़ा गया। फार्म-6 के माध्यम से करीब 3 लाख नए वोटर सूची में शामिल किए गए हैं। सबसे ज्यादा नए मतदाता पश्चिम विधानसभा में करीब 55 हजार जुड़े हैं।

9 विधानसभा क्षेत्रों में चला व्यापक अभियान

राजधानी लखनऊ की नौ विधानसभा क्षेत्रों में पिछले कई महीनों से विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान चलाया गया था। इस दौरान मतदाता सूची को अपडेट करने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किया गया, जिसमें नए मतदाताओं को जोड़ा गया और मृतक, स्थानांतरित तथा डुप्लीकेट नामों को हटाया गया। 10 अप्रैल को नागरिकों के पास यह अंतिम मौका था कि वे अपने नाम और अन्य विवरणों की पुष्टि कर लें। इसके बाद निर्वाचन आयोग द्वारा अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी। जिसमें किसी भी प्रकार के बदलाव की गुंजाइश बेहद सीमित रही।

एसआईआर के बाद लखनऊ में वोटर्स की स्थिति

विधानसभा	पहले मतदाता	अब मतदाता	बदलाव
मलिहाबाद (एससी)	3,12,000	3,30,530	+18,530
बख्शी का तालाब	3,95,000	4,19,472	+24,472
सरोजनी नगर	4,32,000	4,60,037	+28,037
लखनऊ पश्चिम	3,65,000	3,82,895	+17,895
लखनऊ उत्तर	3,28,000	3,44,309	+16,309
लखनऊ पूर्व	3,05,000	3,19,147	+14,147
लखनऊ मध्य	2,48,000	2,64,561	+16,561
लखनऊ कैंट	2,26,000	2,40,628	+14,628

39.94 लाख से 27.94 लाख रह गए मतदाता

SIR प्रक्रिया के तहत लखनऊ की नौ विधानसभा उत्तर, पूर्व, पश्चिम, मध्य, कैंट, सरोजनीनगर, बख्शी का तालाब, मलिहाबाद और मोहनलाल-गंज में मतदाता सूची में बड़े स्तर पर संशोधन हुआ है। अभियान शुरू होने से पहले कुल मतदाता संख्या 39,94,535 थी, जो अब घटकर लगभग 27,94,397 रह गई है। >> (शेष पेज 06 पर)

'सांप पर भी भरोसा किया जा सकता है लेकिन उनपर नहीं'

चुनावी रैली में भाजपा पर बरसीं सीएम ममता

तंज

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को भाजपा पर तीखा हमला किया। उत्तर 24 परगना जिले के टेंटुलिया में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा को असम के स्थानीय लोगों के वोटों पर भरोसा नहीं था। इसलिए पार्टी ने चुनाव जीतने के लिए बाहर से लोग बुलाए। ममता ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश से 50,000 लोगों को ट्रेन में भरकर असम लाया गया।

ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा के राज में देश की कोई भी एजेंसी निष्पक्ष नहीं रह गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि केसरिया पार्टी ने सभी एजेंसियों को खरीद लिया है। भाजपा पर कड़ा प्रहार करते हुए उन्होंने कहा, 'एक सांप पर तो भरोसा किया जा सकता है, लेकिन भाजपा पर कभी नहीं।' >> (शेष पेज 06 पर)

■ भाजपा ने देश की सभी एजेंसियों को खरीद लिया है - ममता बनर्जी

पारदर्शिता और समन्वय को बढ़ावा देने की दिशा में अहम कदम

सूचना विभाग की पहल से मजबूत हुआ मीडिया संवाद

चर्चा

वरिष्ठ पत्रकारों ने रखे अपने विचार, खुलकर हुई चर्चा

निदेशक सूचना ने दिया भरोसा, सीधे संवाद की अपील

मजबूत होंगे मीडिया-सरकार संबंध

सराहनीय पहल, भविष्य में भी उम्मीद

हेमन्त कृष्ण

सहयोग और पारदर्शिता पर जोर

निदेशक ने विभाग और मीडिया के बीच बेहतर तालमेल, पारदर्शिता और सहयोग के साथ कार्य करने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि नियमित संवाद से ही आपसी विश्वास मजबूत होता है और कार्यप्रणाली में सुधार आता है।

तमसा संकेत, लखनऊ। सूचना विभाग द्वारा एक सकारात्मक और सराहनीय पहल करते हुए निदेशक सूचना विशाल सिंह ने प्रिंट मीडिया के पत्रकारों और संपादकों के साथ एक महत्वपूर्ण संवाद बैठक आयोजित की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य मीडिया कर्मियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करना, उनकी समस्याओं को समझना और उनके समाधान के लिए प्रभावी मंच उपलब्ध कराना रहा। >> (शेष पेज 06 पर)

निदेशक सूचना ने पत्रकारों से किया सीधा संवाद

■ निदेशक सूचना विशाल सिंह ने पत्रकारों से आत्मीयता के साथ बातचीत करते हुए उन्हें आश्वस्त किया कि किसी भी प्रकार की समस्या या असुविधा होने पर वे सीधे उनसे संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने विभाग की ओर से हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

मुंबई एयरपोर्ट पर 38 करोड़ का 29.37 किलो सोना जब्त

मुंबई। मुंबई एयरपोर्ट पर बुधवार को 29.37 किलो सोने के साथ 24 केन्याई महिलाओं को गिरफ्तार किया गया। डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (DRI) ने इनसे 37.74 करोड़ का सोना जब्त किया है। महिलाएं सोना कपड़ों और बैग में छिपाकर ला रही थीं। DRI को इनपुट मिला था कि केन्या के नैरोबी से आने वाली कुछ महिला यात्री सोना लेकर मुंबई पहुंचेंगी। इसके बाद छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर 'धहाबू ब्लिट्ज' ऑपरेशन चलाकर संदिग्ध यात्रियों को रोका गया।

जांच में महिलाओं के पास से 29.37 किलो सोना बरामद हुआ। इसमें 25.10 किलो सोने की सिल्लियां और 4.27 किलो जेवर शामिल हैं।

फास्ट न्यूज

नीतीश बने राज्यसभा सांसद

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज शुक्रवार को राज्यसभा सांसद की शपथ ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने उन्हें शपथ दिलाई। इस दौरान बिहार एनडीए नेताओं के साथ-साथ केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण, जेपी नड्डा, अर्जुन राम मेघवाल भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम भोज

अनंत अंबानी का 31वां जन्मदिन-जामनगर के सभी गांवों को भोज

जामनगर। कारोबारी मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी आज अपना 31वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर गुजरात के जामनगर में भव्य सेलिब्रेशन हो रहा है, जिसमें शामिल होने के लिए बॉलीवुड समेत उद्योग जगत की कई हस्तियां जामनगर पहुंच चुकी हैं। अनंत ने गुरुवार को जामनगर में गो सेवा की। एक लाख से ज्यादा गायों को छप्पन भोग लगाया। जामनगर के आसपास के गांवों में भोज का आयोजन किया गया था। भोज में आई महिलाओं को साड़ियां गिफ्ट में दी गईं।

एमपी-यूपी में तापमान 6डिग्री से 10डिग्री तक बढ़ सकता है

भोपाल/लखनऊ/शिमला/देहरादून । मध्य प्रदेश में आज से बारिश का असर कम रहेगा। इसके साथ ही दिन का तापमान 4°C से 6°C तक बढ़ सकता है। उत्तर प्रदेश में इस हफ्ते बारिश की संभावना नहीं है। बीते दो दिन में 50 से ज्यादा जिलों में बारिश-ओलावृष्टि का असर रहा। राज्य का तापमान 10°C तक बढ़ सकता है।

लोगों की परेशानी की परवाह नहीं, अमित शाह ने जारी किया बीजेपी का संकल्प पत्र

ममता भतीजे को सीएम बनाना चाहती हैं : शाह

जनसभा

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता/चेन्नई/गुवाहाटी/तिरुवनंतपुरम । गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के देबरा में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि, ममता बनर्जी बंगाल के लोगों की चिंता नहीं करती हैं। उन्हें बस भतीजे अभिषेक बनर्जी को अगला सीएम बनाने में दिलचस्पी है। भारतीय जनता पार्टी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के लिए पार्टी का घोषणा पत्र यानी 'भरोसे का पत्र' जारी किया। इसमें महिलाओं को 3 हजार महीना, युवा बेरोजगारों को 3 हजार महीना की मदद, पहले 6 महीने में UCC लागू करना और सरकारी कर्मचारियों को 45 दिन में सातवां वेतनमान देने की घोषणा की गई। >> (शेष पेज 06 पर)

■ पश्चिम बंगाल के लिए भाजपा का घोषणा पत्र आज जारी किया गया।

बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने नॉर्थ 24 परगना के टेंटुलिया में चुनावी रैली की। उन्होंने कहा- सांप पर भरोसा किया जा सकता है, लेकिन बीजेपी पर नहीं।

बंगाल में यूसीसी, 45 दिन में सातवां वेतन और महिलाओं को 3000

वोटिंग लिस्ट फ्रीज की गई

पश्चिम बंगाल में चुनाव से पहले SIR के बाद वोटर लिस्ट फ्रीज कर दी गई है। यानी कि अब कोई नया नाम नहीं जोड़ा जाएगा। हटाए गए 27 लाख नामों में से अब तक सिर्फ दो नाम ही बहाल किए गए हैं। ये दोनों नाम सुप्रीम कोर्ट के दखल के बाद बहाल हुए हैं। चुनाव आयोग के अधिकारियों ने बताया कि गुरुवार तक ट्रिब्यूनल के सामने सुनवाई के लिए दो लाख से ज्यादा आवेदन ऑनलाइन जमा किए जा चुके थे। हालांकि इन पर सुनवाई जारी रहेगी।

भाजपा बंगाल को घुसपैठियों से मुक्त कराना चाहती है

देबरा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा, पिछले 15 सालों से ममता बनर्जी 'मा, माटी, मानुष' के नारे के साथ आती रही हैं लेकिन हमारे युवाओं को बेरोजगारी का सामना करना पड़ा है। >> (शेष पेज 06 पर)

स्मार्टफोन पर 6 घंटे खर्च करना भी बीमारी : योगी

किडनी खराब तो चल जाएंगे, हार्ट ब्लॉक हुआ तो दूसरे लोक की यात्रा हो जाएगी

सम्मान

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ । लखनऊ में सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज अस्पतालों की OPD पर अत्यधिक दबाव है। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (KGMU) में रोजाना 12,000 से 14,000 मरीज OPD में आते हैं, जबकि पीजीआई में यह संख्या 10,000 से 11,000 के बीच है। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में मरीजों के एक साथ अस्पताल आने पर डॉक्टरों के लिए इलाज करना कितना चुनौतीपूर्ण हो जाता है, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है।

सीएम ने कहा कि आज के समय में स्मार्टफोन भी कई बीमारियों का कारण बनता जा रहा है। >> (शेष पेज 06 पर)

■ सीएम योगी को कॉर्डियोलॉजी एक्सपर्ट्स ने सम्मानित किया।

बीमारू भारत के साथ सशक्त भारत का सपना नहीं देख सकते

सीएम योगी ने कहा- स्वतंत्रता के 100 साल पूरे होने पर जब हम विकसित भारत की ओर बढ़ रहे हैं, तब बीमारू भारत के साथ हम सशक्त भारत का सपना नहीं देख सकते हैं। किडनी खराब होने पर डायलिसिस से व्यक्ति चल सकता है, पर अगर हार्ट ब्लॉक होता है, उसके साथ दूसरे लोक की यात्रा प्रारंभ हो जाती है। >> (शेष पेज 06 पर)

हरिवंश राज्यसभा के मनोनीत सांसद बने

उपसभापति बन सकते हैं, कार्यकाल 2032 तक रहेगा

मनोनयन

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा के पूर्व उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह मनोनीत सांसद बने। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने अपने कक्ष में शपथ दिलाई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें राज्यसभा के लिए नॉमिनेट किया था। हरिवंश का पिछला कार्यकाल 9 अप्रैल को खत्म हो गया था। उनकी पार्टी JDU ने इस बार नाम नहीं दिया था। इसके बाद राष्ट्रपति ने उनका मनोनयन किया।

पूर्व CJI रंजन गोगोई के रिटायर होने के बाद सीट खाली हुई थी। इसे भरने के लिए JD(U) के हरिवंश को चुना गया। 69 साल के हरिवंश 2032 तक राज्यसभा में रहेंगे।

राज्यसभा में 12 सदस्य मनोनीत होते हैं, जिन्हें राष्ट्रपति तय करते हैं। इन्हें कला, साहित्य, विज्ञान और समाज सेवा में विशेष योगदान के आधार पर चुना जाता है। >> (शेष पेज 06 पर)

■ उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने पद की शपथ दिलाई

भूमि विवाद से जुड़े मामले में पुलिस पर आरोप, शिक्षक को फर्जी तरीके से फंसाने और पक्षपात के आरोप

बेवाना थाना क्षेत्र में 151 कार्रवाई पर विवाद

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। बेवाना थाना क्षेत्र में जमीन विवाद से जुड़े मामले में धारा 151 के तहत की गई कार्रवाई को लेकर विवाद गहरा गया है। मामला अकबरपुर–दोस्तपुर मार्ग किनारे स्थित जमीन पर कब्जे को लेकर दो पक्षों के बीच चल रहे विवाद से जुड़ा बताया जा रहा है।स्थानीय लोगों के अनुसार, रामजी और लालजी पुत्र रामनाथ तथा दूसरे पक्ष के बीच जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी मामले में पुलिस ने शांति भंग की आशंका के आधार पर कार्रवाई की।

आरोप है कि कार्रवाई के दौरान वास्तविक तथ्यों की जांच नहीं की गई और जल्दबाजी में नाम दर्ज कर दिए गए। इसको लेकर क्षेत्र में नाराजगी देखी जा रही है।इस पूरे मामले में लेखपाल जसवंत और तत्कालीन थानाध्यक्ष प्रभाकांत तिवारी की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जमीन विवाद की सही और निष्पक्ष जांच के बिना ही कार्रवाई की गई, जिससे स्थिति और विवादित हो गई।

जानकारी के अनुसार, अकबरपुर–दोस्तपुर मार्ग किनारे स्थित जमीन को लेकर दो पक्षों में विवाद चल रहा था। निर्माण कार्य और कब्जे को लेकर तनाव की स्थिति बनी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और धारा 151 के तहत कार्रवाई की गई।इसी कार्रवाई में कुछ ऐसे नाम भी शामिल हो गए, जिनका विवाद से प्रत्यक्ष संबंध नहीं बताया जा रहा है।

पुलिस कार्रवाई के बाद संबंधित लोगों को न्यायालय में पेश किया गया। इसी दौरान सूची में शिक्षक का नाम शामिल होने पर आपत्ति जताई गई।लोगों का कहना है कि शांति भंग की कार्रवाई में निर्दोष व्यक्ति को शामिल करना गंभीर विषय है और इससे उनकी सामाजिक छवि प्रभावित हुई है।स्थानीय स्तर पर यह भी आरोपी ने थानेदार बेवाना को मनमाना पैसा दिया है, जिसके बाद कार्रवाई को प्रभावित करने की बात कही जा रही है।

शिक्षक का नाम सूची में आने पर विवाद बढ़ा

इस कार्रवाई में सोमेंद्र वीर सिंह का नाम भी शामिल किए जाने पर आपत्ति सामने आई है। जानकारी के अनुसार, वे घटना के समय बेवाना खास स्थित अपने विद्यालय में उपस्थित होकर शिक्षण कार्य कर रहे थे।इसके बावजूद धारा 151 की सूची में उनका नाम दर्ज किए जाने पर सवाल उठे हैं। स्थानीय लोगों और परिचितों का कहना है कि शिक्षक को इस मामले में बिना किसी संबंध के फर्जी तरीके से फंसाया गया है।

> मामले को लेकर पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी आरोप लगाए जा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि विवाद से सीधे जुड़े नहीं होने के बावजूद शिक्षक का नाम सूची में शामिल कर दिया गया।

गर्मी में निर्बाध बिजली आपूर्ति को लेकर ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने की समीक्षा बैठक

'जनता सर्वोपरि'

उपभोक्ता हित में त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश

- बैलेंस समाप्त होने पर रात और अवकाश में नहीं कटेगी बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत
- क्षमता वृद्धि के कार्यों में तेजी लाने पर जोर
- जागरूकता, मॉनिटरिंग और जवाबदेही पर ऊर्जा मंत्री का विशेष फोकस

चर्चा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने आज संगम सभागार, लखनऊ में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, यूपीपीसीएल तथा प्रदेश के सभी डिस्कॉम के प्रबंध निदेशकों के साथ समीक्षा बैठक कर आगामी गर्मी के मौसम में निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु की गई तैयारियों का मूल्यांकन किया।

बैठक के दौरान ऊर्जा मंत्री श्री शर्मा ने कहा कि विद्युत व्यवस्था का मूल उद्देश्य उपभोक्ताओं को बेहतर

सेवा देना है। "सिस्टम में जनता सर्वोपरि है", इसलिए सभी अधिकारी उपभोक्ता हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य करें और शिकायतों का त्वरित, पारदर्शी एवं संतोषजनक निस्तारण सुनिश्चित करें।

स्मार्ट मीटर से जुड़ी समस्याओं पर विशेष चिंता व्यक्त करते हुए मंत्री श्री शर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया

स्मार्ट मीटर व्यवस्था को पारदर्शी और उपभोक्ता-अनुकूल बनाने पर जोर

> **स्मार्ट मीटर से संबंधित शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के लिए मंत्री श्री शर्मा ने अलग काउंटर स्थापित करने के निर्देश दिए, ताकि उपभोक्ताओं की समस्याओं का शीघ्र समाधान हो सके और उन्हें भटकना न पड़े। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि शिकायत निवारण प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ एवं उत्तरदायी बनाया जाए।**

कि इन समस्याओं के समाधान के लिए ठोस और प्रभावी रणनीति अपनाई जाए। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर को लेकर उपभोक्ताओं में किसी प्रकार की भ्रांति या असमंजस की स्थिति नहीं रहनी चाहिए। इसके लिए व्यापक स्तर पर जन-जागरूकता अभियान चलाया जाए, जिससे उपभोक्ता स्मार्ट मीटर के लाभों, उपयोगिता एवं संचालन प्रणाली को भली-भांति समझ सकें।

उपभोक्ताओं को नियमित रूप से जागरूक किया जाए

ऊर्जा मंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर में पर्याप्त बैलेंस बनाए रखने के लिए नियमित रूप से जागरूक किया जाए तथा बैलेंस समाप्त होने से पूर्व उन्हें समय से सूचना उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि यदि किसी उपभोक्ता का बैलेंस रात्रि के समय समाप्त होता है, तो उसका विद्युत कनेक्शन रात में नहीं काटा जाएगा। इसी प्रकार, अवकाश के दिनों में भी किसी उपभोक्ता का कनेक्शन विच्छेदित नहीं किया जाएगा, जिससे उपभोक्ताओं को अनावश्यक असुविधा का सामना न करना पड़े।

पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर को मारी गोली पैर में फ्रैक्चर होते ही गिरा

25 हजार का इनामी दूसरा बदमाश भागा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में गुरुवार देररात पुलिस मुठभेड़ में 25 हजार रुपए का इनामी हिस्ट्रीशीटर घायल हो गया। उसके खिलाफ कई थानों में गैंगस्टर एक्ट समेत 20 मुकदमे दर्ज हैं। वह फरवरी में कृष्णानगर में 3 साथियों के साथ 3 घरों में चोरी की घटनाओं के बाद से फरार चल रहा था। घायल हिस्ट्रीशीटर की पहचान उन्नाव के मौरावां थाना के तेहरा रंजीतखेड़ा निवासी विपिन के रूप में हुई है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि विपिन अपने साथी कुलदीप यादव के साथ कानपुर रोड स्थित आसाराम बापू आश्रम के पास आने वाला है। सूचना के आधार पर गुरुवार रात करीब ढाई बजे कृष्णानगर के मानसनगर रोड स्थित डूडा कॉलोनी के पास पुलिस ने चेकिंग लगा दी। वहीं पर दोनों आते दिखे जिसके बाद मुठभेड़ हो गई। इस दौरान दूसरा इनामी बदमाश फरार हो गया। इस दौरान पल्सर बाइक से आते दिखे विपिन और उसके साथी को पुलिस ने रोकने का प्रयास किया। खुद को घिरता देख दोनों ने पुलिस टीम पर फायरिंग करते हुए भागने की कोशिश की। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली विपिन के दाहिने पैर में लगी, जिससे वह बाइक से गिर पड़ा। पुलिस ने उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया, जबकि उसका साथी कुलदीप यादव (निजामपुर मल्हौर, लखनऊ) फरार हो गया। पुलिस ने घायल आरोपी के पास से .315 बोर का तमंचा, एक कारतूस, एक खोखा, पीली धातु की दो चेन (एक में लॉकेट) और तीन अंगूठियां जब्त कर लीं।

फास्ट न्यूज

2-महीने के बच्चे की संदिग्ध हालत में मौत

मलिहाबाद। लखनऊ में 2 महीने के बच्चे की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। उसके शरीर पर काले चकत्ते जैसे निशान बन गए। परिजनों ने आरोप लगाया है कि बच्चे की मौत टीकाकरण के बाद हुई है। उसे 6 अप्रैल को CHC की टीम ने टीका लगाया था। उसके बाद से तबीयत खराब होने लगी। 4 दिन बाद उसने शुक्रवार को दम तोड़ दिया।

न नाली है न सड़क पति ने फांसी लगा ली

लखनऊ । लखनऊ नगर निगम में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इसमें कुल 191 शिकायतें आईं। इनमें सबसे ज्यादा 84 शिकायतें हाउस टैक्स की रही। जलकल से संबंधित 8 शिकायतें आईं। मेयर सुषमा खर्कवाल और नगर आयुक्त गौरव कुमार ने शिकायतों को सुना। संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का समाधान कराने का निर्देश दिया। सरोजनी नगर द्वितीय वार्ड के हरिओम नगर से जुड़े लोग सड़क और जलभराव की शिकायत लेकर पहुंचे। उन्होंने कहा- सड़क न बनने की वजह से जलभराव रहता है। इसको लेकर पड़ोसियों में झगड़ा होता है।

प्राइवेट स्कूलों की मनमानी फीस के खिलाफ प्रदर्शन

लखनऊ । प्राइवेट स्कूलों में हर साल बढ़ाई जाने वाली फीस के खिलाफ लखनऊ में शुक्रवार को छात्र पंचायत से जुड़े छात्रों ने प्रदर्शन किया। उनका कहना था कि सरकार को सबको समान शिक्षा के लिए कानून लागू करना चाहिए। केवल लखनऊ के स्कूलों में फीस की मनमानी पर रोक लगाकर कुछ नहीं होगा। यह बाकी के 74 जिलों में भी लागू होना चाहिए।

मंत्री राकेश सचान ने की वित्तीय वर्ष 2026-27 की समीक्षा बैठक

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, रेशम, हथकरघा तथा वस्त्रोद्योग, खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्री श्री राकेश सचान ने वित्तीय वर्ष 2026-27 की योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभागीय बजट का शत-प्रतिशत उपयोग नवंबर 2026 तक हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। शुक्रवार को डालीबाग स्थित खादी ग्रामोद्योग बोर्ड भवन लखनऊ में आयोजित समीक्षा बैठक में मंत्री सचान ने कहा कि जिन विभागीय सेक्शनों की कार्ययोजनाएं अभी तक शासन को नहीं भेजी गई हैं, उन्हें तत्काल प्रेषित किया जाए। साथ ही जिन प्रस्तावों पर कार्यवाही लंबित है, उनकी वित्तीय स्वीकृतियां शीघ्र जारी कराई जाएं, ताकि योजनाओं के क्रियान्वयन में कोई बाधा न आए।

बैठक में यह भी निर्देश दिया गया कि अधिकतम कार्य दिसंबर 2026 तक पूर्ण कर लिए जाएं। इसके लिए मंडल-स्तरीय प्रदर्शनियों एवं जागरूकता कार्यक्रमों का विस्तृत कैलेंडर तैयार कर समयबद्ध तरीके से आयोजन सुनिश्चित किया जाए।

मंत्री श्री सचान ने अधिकारियों को सभी योजनाओं के लिए स्पष्ट टाइमलाइन तय करने और उनकी नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजनाओं का समय पर क्रियान्वयन सुनिश्चित कर ही प्रदेश में एमएसएमई, खादी और ग्रामोद्योग क्षेत्र को मजबूती प्रदान की जा सकती है। बैठक में विभागीय अधिकारियों ने विभिन्न योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी और आगामी कार्ययोजना प्रस्तुत की। मंत्री श्री सचान ने सभी योजनाओं को निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण करने पर विशेष जोर दिया।

जस्टिस यशवंत वर्मा का इस्तीफा

घर में 500 के नोटों के बंडल जले मिले थे, सुप्रीम कोर्ट की जांच में दोषी, संसद में महाभियोग प्रस्ताव

निर्णय

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा ने राष्ट्रपति को इस्तीफा भेज दिया है। 14 मार्च 2025 को उनके दिल्ली स्थित सरकारी घर में आग लगने के दौरान 500-500 के नोटों के बंडल जले मिले थे। इसके बाद उन्हें दिल्ली हाईकोर्ट से इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया गया था। उन्होंने 5 अप्रैल 2025 को इलाहाबाद हाईकोर्ट में शपथ ली थी, लेकिन उन्हें कोई जिम्मेदारी नहीं दी गई थी। मामले की जांच पूरी होने तक उन्हें न्यायिक कामों से दूर रखा गया था। जस्टिस वर्मा ने 9 अप्रैल को इस्तीफा भेजा था, लेकिन न्यूज एजेंसी ने अगले दिन, यानी 10 अप्रैल को इसकी जानकारी दी। लोकसभा में जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाया गया था। उन्होंने इसे चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। इसमें कहा था कि दोनों सदनों में महाभियोग प्रस्ताव लाया गया था, लेकिन राज्यसभा ने उसे मंजूर नहीं किया। 1968 के जजों (जांच) अधिनियम के मुताबिक जब किसी जज को हटाने का प्रस्ताव संसद के किसी भी सदन में मंजूर हो जाता है तो स्पीकर या चेयरमैन उस आरोप की जांच के लिए तीन सदस्यों की एक समिति बनाते हैं।

सुप्रीम कोर्ट के चीफ संजीव खन्ना ने 22 मार्च को जस्टिस वर्मा पर लगे आरोपों की इंटरनल जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी बनाई थी। इसने 4 मई को सीजेआई को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। इसमें जस्टिस वर्मा को दोषी ठहराया गया था।

इस्तीफे में लिखा- गहरे दुख के साथ पद छोड़ रहा

जस्टिस वर्मा ने इस्तीफे में लिखा है- मैं आपके सम्मानित कार्यालय को उन कारणों से परेशान नहीं करना चाहता, जिनकी वजह से मुझे यह पत्र लिखना पड़ रहा है। लेकिन गहरे दुख के साथ मैं इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे रहा हूं। इस पद पर सेवा करना मेरे लिए सम्मान की बात रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- लोकसभा स्पीकर के पास जांच का अधिकार

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि लोकसभा स्पीकर की ओर से गठित संसदीय जांच पैनल में कुछ खामी दिखाई देती है। लेकिन जजेज इन्क्वायरी एक्ट के तहत लोकसभा स्पीकर के पास यह अधिकार है कि वह जस्टिस वर्मा के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए समिति गठित कर सकें, भले ही राज्यसभा में ऐसा प्रस्ताव खारिज हो चुका हो।

चुनौतियों का डटकर सामना कर दूरसंचार क्षेत्र में स्थापित होंगे नए आयाम

स्वदेशी तकनीक से संचार क्रांति की ओर अग्रसर भारत : उप मुख्यमंत्री

बैठक

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का विज़न है कि देश के हर नागरिक तक संचार सुविधाएं सुलभ हों। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री जी द्वारा 'मेक इन इंडिया' के तहत स्वदेशी तकनीक आधारित 4G सेवाओं का शुभारंभ 27 सितम्बर 20 23 को उड़ीसा से किया गया, जो देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। आज भारत स्वदेशी तकनीक आधारित संचार क्रांति की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है और बीएसएनएल के प्रति लोगों का विश्वास एवं रूझान लगातार बढ़ रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री मौर्य शुक्रवार को लखनऊ स्थित भूतनाथ टेलीफोन एक्सचेंज के सभागार में आयोजित बीएसएनएल अधिकारी संघ की सेंट्रल एक्जीक्यूटिव कमेटी की बैठक में "बीएसएनएल– स्वदेशी तकनीकः अवसर और चुनौतियाँ" विषयक कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।इससे पहले उन्होने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। उन्होंने कहा कि बीएसएनएल के साथ उनकी पुरानी यादें जुड़ी हैं और सांसद रहते हुए वे दूरसंचार की एक समिति से भी जुड़े रहे हैं। उन्होंने बीएसएनएल की निरंतर प्रगति के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के गठन के बाद देश को आत्मनिर्भर बनाने हेतु अनेक क्रांतिकारी कदम उठाए गए।

विकसित भारत के निर्माण में बीएसएनएल की होगी महत्वपूर्ण भूमिका

'हमें हर कार्य राष्ट्रहित में करना चाहिए'

मौर्य ने कहा कि हमें हर कार्य राष्ट्रहित में करना चाहिए और दूरसंचार के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने होंगे। स्वदेशी तकनीक को अपनाकर भारत वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि सस्ती, गुणवत्तापूर्ण एवं सर्वसुलभ सेवाएं उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत संचार निगम लिमिटेड देश की प्रमुख सरकारी दूरसंचार कंपनी है, जो स्वदेशी तकनीक के माध्यम से आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर है। इससे न केवल विदेशी निर्भरता कम होगी, बल्कि देश में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, स्थानीय उद्योगों एवं स्टार्टअप्स को बढ़ावा मिलेगा तथा डेटा और साइबर सुरक्षा भी सुदृढ़ होगी।हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि स्वदेशी तकनीक को वैश्विक मानकों पर खरा उतारना, अनुसंधान एवं विकास में निरंतर निवेश करना तथा नवाचार को बढ़ावा देना आवश्यक है।

होटल ड्राइवर ने कस्टमर से की 75 लाख की लूट

मास्टरमाइंड समेत 5 गिरफ्तार, 45 लाख बरामद

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के विभूतिखण्ड इलाके में 5 दिन पहले हुई 75 लाख रुपए की लूट का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया। पूरी घटना का मास्टरमाइंड होटल का ड्राइवर ही निकला। पुलिस ने 5 शातिर लुटेरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 45 लाख रुपए नकद और वारदात में इस्तेमाल की गई बिना नंबर प्लेट की स्कॉर्पियो बरामद की है। 5 अप्रैल को गुजरात निवासी निकुल सिंह जडेजा से स्कॉर्पियो सवार बदमाशों ने कैश से भरा बैग लूट लिया था। पुलिस ने आसपास लगे CCTV कैमरों की मदद से रूट मैप तैयार किया और 10 अप्रैल को कठौता झील के पास से आरोपियों को पकड़ लिया।

जांच में सामने आया कि होटल ड्राइवर राहुल यादव कई सालों से अलग-अलग जिलों से कैश कलेक्ट करता था। बड़ी रकम देखकर उसके मन में लालच आया। उसने अपने चचेरे भाई आकाश यादव को प्लान बताया। आकाश ने अपने साथी सलमान के जरिए गिरोह के अन्य सदस्यों राजकुमार, सुमित और विशाल को शामिल किया।

जैसे ही कैश से भरा बैग होटल से निकला, राहुल ने सूचना अपने साथियों को दे दी। स्कार्पियो सवार बदमाशों ने मौका देखकर पीड़ित को धक्का दिया और बैग छीनकर फरार हो गए। घटना को अंजाम देने में अतुल कुमार रावत, विशाल सिंह, राहुल यादव (ड्राइवर), आकाश यादव और अमित शामिल थे।

शिकंजा : लखनऊ में दोस्ती कर लोगों को फंसाते थे, रिश्तेदार संग चला रहे थे गिरोह

नकली सोना देकर ठगी करने वाला सरकारी शिक्षक दंपती गिरफ्तार

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में सस्ता सोना देने का झांसा देकर ठगी करने वाला सरकारी दंपती गिरफ्तार हुआ है। दंपती लोगों से दोस्ती करके नजदीकियां बढ़ाता था। उसके बाद रिश्तेदार की मदद से झांसा देकर उनसे ठगी करता था। उनका रिश्तेदार भी गिरफ्तार हुआ है।

आरोपियों के पास से नकली सोने की बिस्किट, गहने, 8 मोबाइल, 16 सिम, नकदी और घटना में इस्तेमाल अर्टिगा कार बरामद हुई है। उनकी पहचान मो. अफसर (37), उसकी पत्नी दानिशा फातिमा (36) और साले मो. अजमल (28) के रूप में हुई। तीनों ग्राम कुसौना खुर्द, पोस्ट गुलरहिया थाना मेंहदावल, जिला संत कबीर नगर के रहने वाले हैं। लखनऊ में बारुदखाना गोलागंज, थाना वजीरगंज में रहते थे। मो. अफसर बदायूं के सरकारी स्कूल में सहायक अध्यापक है। उसकी पत्नी दानिशा फातिमा ठाकुरगंज स्थित कालीचरन इंटर कॉलेज में टीचर है। अजमल पीओपी कारीगर है।

सुभाष ने मामले की माल थाने में शिकायत दी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ लूट और ठगी का मुकदमा दर्ज किया। सर्विलांस की मदद से जांच शुरू की। गुरुवार रात करीब ढाई बजे काकराबाद अंडरपास पर घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

सोना व्यापारी से 5 लाख लेकर फरार हुए थे

पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने माल थाना क्षेत्र के कुशमौरा निवासी सोना कारोबारी सुभाष मौर्य को सस्ता सोना देने का झांसा दिया था। सुभाष मौर्य ने 5 लाख रुपए का सोना लेने की बात कही थी। आरोपी 5 अप्रैल को सुभाष मौर्य को तय डील के मुताबिक सोना देने माल इलाके में पहुंचे। उन्होंने सुभाष को सोने का बैग दिया। सुभाष 5 लाख रुए से भरा अपना बैग स्कूटी की सीट पर रखकर सोना देखने लगा। इस दौरान आरोपी उसका बैग लेकर फरार हो गए। सुभाष ने जांच किया तो सोना नकली निकला।

ऐसे करते थे ठगी

आरोपी पहले लोगों से दोस्ती कर भरोसा जीतते थे। इसके बाद सस्ते में सोना दिलाने का लालच देते थे। असली सोना दिखाकर सौदा तय करते थे। बाद में नकली सोने की बिस्किट व गहने थमा कर पैसे लेकर भाग जाते थे।

हाईकोर्ट में हाई वोल्टेज ड्रामा

सुसाइड के लिए बच्चे के साथ टेरेस पर चढ़ी महिला, बोली- न्याय नहीं मिला

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ हाईकोर्ट परिसर में शुक्रवार शाम उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक महिला अपने छोटे बच्चे को गोद में लेकर सी ब्लॉक की पांचवीं मंजिल की छत पर चढ़ गई और कूदने की धमकी देने लगी। करीब एक घंटे तक चले इस हाई वोल्टेज ड्रामे ने पूरे परिसर में अफरा-तफरी मचा दी।

शाम करीब 4 बजे, कोर्ट की कार्यवाही खत्म होते ही लोगों की नजर अचानक छत पर खड़ी महिला पर पड़ी। महिला बच्चे को लेकर किनारे खड़ी थी, जिसे देख नीचे मौजूद वकीलों, कर्मचारियों और आम लोगों में दहशत फैल गई। कुछ ही देर में मौके पर भारी भीड़ जुट गई और हर कोई सांस थामकर इस घटनाक्रम को देखने लगा। महिला की पहचान रूपाली के रूप में हुई है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, वह पारिवारिक विवाद के चलते मानसिक तनाव में थी और इसी वजह से उसने यह खौफनाक कदम उठाया। सूचना मिलते ही सीआरपीएफ और पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। एहतियात के तौर पर नीचे जाल बिछाया गया, जबकि महिला को समझाने के लिए ऊपर महिला पुलिस और जवानों की टीम भेजी गई।

सीआरपीएफ के सुरक्षा अधिकारी आर.के. तिवारी ने बताया कि टीम ने सूझबूझ से काम लेते हुए पहले महिला को बातचीत में उलझाया और सही मौका देखकर उसे सुरक्षित नीचे उतार लिया। करीब एक घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद महिला और उस-के बच्चे को सकुशल बचा लिया गया।

पांचों विधानसभा क्षेत्रों की सूची जारी, 10 से 16 अप्रैल तक होगी उपलब्ध

मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन

बैठक

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 के आधार पर विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 के तहत शुक्रवार को जनपद की सभी विधानसभा क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन कर दिया गया।

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी अनुपम शुक्ला की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को मतदाता सूची की प्रतियां उपलब्ध कराई गईं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ज्योत्स्ना बंधु की मौजूदगी में सूची विधानसभावार दो प्रतियों में दी गई। इसमें एक हार्ड कॉपी और एक सॉफ्ट कॉपी

शामिल रही। यह प्रक्रिया भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार पूरी की गई। अंतिम प्रकाशित मतदाता सूची 10 अप्रैल से 16 अप्रैल 2026 तक जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय, संबंधित तहसील और अन्य नामित स्थलों पर आम लोगों के लिए निःशुल्क उपलब्ध रहेगी। पुनरीक्षण के दौरान 56,192 मतदाताओं के नाम पुराने रिकॉर्ड से मेल खाने और 2,84,156 मतदाताओं के विवरण में विसंगतियां मिलने पर संबंधित अधिकारियों ने नोटिस जारी किए। 6 जनवरी से 27 मार्च 2026 के बीच इन मामलों की सुनवाई कर निस्तारण किया गया। अंतिम प्रकाशित मतदाता सूची 10 अप्रैल से 16 अप्रैल 2026 तक जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय, संबंधित तहसीलों और अन्य नामित स्थलों पर आम नागरिकों के लिए निःशुल्क उपलब्ध रहेगी। इससे मतदाता अपने नाम और विवरण की जांच कर सकेंगे। विशेष पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान कुल 56,192 मतदाताओं के नाम पुराने रिकॉर्ड से मेल खाते पाए गए, जबकि सामने आईं। इन मामलों में संबंधित अधिकारियों द्वारा नोटिस जारी किए गए। प्रशासन ने पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष

विधानसभा वार मतदाताओं की स्थिति

16.85 लाख से अधिक मतदाता दर्ज

कटेहरी में 3,63,801, टांडा में 3,14,117, आलापुर में 3,21,472, जलालपुर में 3,81,407 और अकबरपुर में 3,04,756 मतदाता दर्ज किए गए हैं। प्रशासन के अनुसार पुनरीक्षण अभियान के दौरान सूची को अद्यतन बनाने पर विशेष ध्यान दिया गया। मृत, स्थानांतरित और अपात्र मतदाताओं के नाम हटाए गए, जबकि पात्र नागरिकों को सूची में जोड़ा गया। इससे मतदाता सूची अधिक सटीक और पारदर्शी बनी है।

मतदाताओं का विस्तृत आंकड़ा जारी

अंतिम सूची के अनुसार जनपद में कुल 16,85,553 मतदाता पंजीकृत हैं। इनमें 9,08,270 पुरुष, 7,77,275 महिला और 8 अन्य मतदाता शामिल हैं। जनपद का लिंगानुपात 856 दर्ज किया गया है, जबकि निर्वाचक जनसंख्या अनुपात 57.58 है। 18 से 19 आयु वर्ग के 22,411 नए मतदाता सूची में शामिल हुए हैं, जो कुल मतदाताओं का 1.33 प्रतिशत है। इसके अलावा 15,603 दिव्यांग मतदाता भी पंजीकृत हैं।

बनाने पर विशेष ध्यान दिया है, ताकि सभी पात्र मतदाताओं का नाम सूची में शामिल हो सके और किसी प्रकार की त्रुटि न रह जाए।

पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। फार्म-6 के जरिए नए मतदाता पंजीकरण, फार्म-7 से नाम विलोपन और फार्म-8 से संशोधन के लिए बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए। सभी आवेदनों का नियमानुसार परीक्षण कर समयबद्ध निस्तारण किया गया।

शिक्षक संघ का डीआईओएस कार्यालय पर हुआ प्रदर्शन

लंबित समस्याओं के निस्तारण को सौंपा ज्ञापन

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ ने शुक्रवार को जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) कार्यालय पर प्रदर्शन किया। इसके बाद शिक्षकों की विभिन्न लंबित समस्याओं को लेकर डीआईओएस को ज्ञापन सौंपा गया। यह कदम प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर उठाया गया। जिलाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह ने बताया कि ज्ञापन में कई महत्वपूर्ण मांगें शामिल की गई हैं। शिक्षकों ने खातों में राज्यांश सहित ब्याज की पुनर्गणना कराने की मांग उठाई है। इसके अलावा, पुरानी पेंशन योजना में शामिल शिक्षकों की एनपीएस राशि को सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ) में जमा कराने का मुद्दा भी प्रमुखता से रखा गया। संघ ने आमेलित विषय विशेषज्ञ शिक्षकों के विकल्प पत्र से जुड़ी समस्या

को भी उठाया। मांग की गई कि इन शिक्षकों के विकल्प पत्र सही तरीके से भरवाकर समय से निदेशालय भेजे जाएं, ताकि भविष्य में कोई परेशानी न हो। जिलाध्यक्ष के अनुसार, डीआई-ओएस प्रवीण कुमार तिवारी ने सभी मांगों पर सकारात्मक रुख दिखाया। उन्होंने जल्द समाधान कराने का आश्वासन दिया है। प्रदर्शन के दौरान जिला मंत्री अभूजर अंसारी, कोषाध्यक्ष अजय द्विवेदी, संगठन मंत्री मनोज कुमार, संजय तिवारी, अखिलेश प्रताप सिंह समेत कई शिक्षक मौजूद रहे।संघ ने स्पष्ट किया कि यदि समस्याओं का समयबद्ध समाधान नहीं हुआ तो आगे भी आंदोलन जारी रहेगा।

फास्ट न्यूज

पुलिस लाइन में समीक्षा बैठक

अंबेडकरनगर। अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) हरेन्द्र कुमार ने गुरुवार को पुलिस लाइन स्थित सभागार में समीक्षा बैठक की। बैठक में कोर्ट मोहर्रिर, न्यायालय पैरोकार और डाक पैरोकार मौजूद रहे। बैठक के दौरान न्यायालय से संबंधित कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। लंबित मामलों, समय पर पत्रावली भेजने और समन-वारंट के निष्पादन पर विशेष चर्चा हुई।

होम्योपैथिक सेमिनार, अंबेडकरनगर के तीन चिकित्सक सम्मानित

अंबेडकरनगर/लखनऊ। विश्व होम्योपैथिक दिवस के अवसर पर शुक्रवार को लखनऊ स्थित अटल बिहारी वाजपेयी कन्वोकेशन सेंटर में एक दिवसीय होम्योपैथिक सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन 'होम्यो शक्ति 2026' के तहत डॉ. उमंग खन्ना के नेतृत्व में हुआ। सेमिनार में देश-विदेश के होम्योपैथिक चिकित्सक, विशेषज्ञ और कई गणमान्य लोग शामिल हुए। इसमें चिकित्सा पद्धति के विकास, नई तकनीकों और उपचार के अनुभवों पर चर्चा की गई।

संयुक्त जिला चिकित्सालय का निरीक्षण

अंबेडकरनगर। अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य अयोध्या मंडल ने शुक्रवार को संयुक्त जिला चिकित्सालय और 200 शैय्या मातृ शिशु विंग का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल की व्यवस्थाओं का गहनता से मूल्यांकन किया गया।निरी-क्षण में ओपीडी व्यवस्था, पर्ची काउंटर और आभा आईडी के माध्यम से पर्चा बनाने की प्रक्रिया को देखा गया। साथ ही अतिरिक्त पर्ची काउंटर की स्थिति का भी जायजा लिया गया।

आपातकालीन इलाज को मिलेगी रफ्तार, गंभीर मरीजों को बाहर रेफर करने की जरूरत होगी कम

संयुक्त जिला चिकित्सालय में ट्रॉमा सेंटर का लोकार्पण

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। महात्मा ज्योतिबा फुले संयुक्त जिला चिकित्सालय परिसर में नव-निर्मित ट्रॉमा सेंटर का शुक्रवार को लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हरिओम पाण्डेय और विशिष्ट अतिथि धर्मराज निषाद मौजूद रहे। इस दौरान जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला, पुलिस अधीक्षक अभिजित आर शंकर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय कुमार शैवाल और मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. पी.एन. यादव सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे। लोकार्पण के बाद हरिओम पाण्डेय ने कहा कि ट्रॉमा सेंटर के शुरू होने से जनपद की स्वास्थ्य सेवाएं और मजबूत होंगी। सड़क दुर्घटना और अन्य आपातका-लीन स्थितियों में मरीजों को अब तेज और बेहतर इलाज मिल सकेगा।

कार्यक्रम में बताया गया कि दुर्घटना के बाद का पहला एक घंटा 'गोल्डन ऑवर' माना जाता है। इस दौरान सही इलाज मिलने पर मरीज की जान बचने की संभावना बढ़ जाती है। ट्रॉमा सेंटर के संचालन से इसी समय के भीतर इलाज संभव हो सकेगा। इस सुविधा से मरीजों का समय बचेगा और आर्थिक खर्च भी कम होगा।

इससे गंभीर मरीजों को दूसरे जिलों में भेजने की जरूरत कम होगी। उन्होंने बताया कि यह ट्रॉमा सेंटर आधुनिक उपकरणों और विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं से लैस है। यहां समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण उपचार सुनिश्चित किया जाएगा। ट्रॉमा सेंटर के शुरू होने से जिले में गंभीर मरीजों के इलाज की व्यवस्था मजबूत हुई है। प्रशासन का मानना है कि इससे दुर्घटनाओं और आपातकालीन मामलों में त्वरित उपचार संभव होगा और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार आएगा।

आपातकालीन व्यवस्था हुई मजबूत

विधायक धर्मराज निषाद ने कहा कि ट्रॉमा सेंटर का शुभारंभ जनपद के लिए अहम कदम है। इससे आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं और बेहतर होंगी। उन्होंने कहा कि मरीजों को अब जिले में ही बेहतर सुविधा मिल सकेगी। कार्यक्रम के दौरान चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों की टीम भी मौजूद रही। अधिकारियों ने ट्रॉमा सेंटर की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय में डॉ. हैनिमैन का जन्मदिवस मनाया गया

जागरूकता कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पहुंचे मरीज, उपचार के लाभ बताए गए

तमसा संकेत, संवाददाता

आलापुर, अम्बेडकर नगर। विकास खंड जहांगीरगंज के ग्राम पंचायत मुबारकपुर पिकार और कमालपुर पिकार स्थित राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय परिसर में शुक्रवार को होम्योपैथी के जनक डॉ. हैनिमैन का जन्मदिवस मनाया गया। इस अवसर पर जागरूकता और स्वास्थ्य परामर्श कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में मरीज और स्थानीय लोग शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता चिकित्सा प्रभारी डॉ. अविनाश राय ने की। उन्होंने डॉ. हैनिमैन के जीवन और होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति के महत्व पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि होम्योपैथी शरीर की प्राकृतिक क्षमता को मजबूत कर रोगों के उपचार में

सहायक होती है। साथ ही, इसके दुष्प्रभाव भी बेहद कम होते हैं। कार्यक्रम के दौरान मरीजों को विभिन्न बीमारियों में होम्योपैथिक दवाओं के उपयोग और उनके लाभ के बारे में बताया गया। उपस्थित लोगों को नियमित चिकित्सकीय परामर्श लेने की सलाह दी गई। कई मरीजों को मौके पर ही परामर्श और दवाएं भी उपलब्ध कराई गईं। इस अवसर पर डॉ. गिरीश चंद्र, फार्मासिस्ट चंद्रभान, राकेश कुमार, विजय कुमार, अरुण कुमार और धारानाथ सहित अन्य लोग मौजूद रहे। सभी ने डॉ. हैनिमैन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

खड़गे पर टिप्पणी के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

पुतला दहन से पहले पुलिस ने रोका, जिला कार्यालय बना छावनी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर की गई टिप्पणी के विरोध में शुक्रवार को जिला कांग्रेस कमेटी ने प्रदर्शन किया। इस दौरान जिला मुख्यालय स्थित कांग्रेस कार्यालय के बाहर भारी पुलिस बल तैनात रहा और पूरे परिसर को छावनी में तब्दील कर दिया गया। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि सार्वजनिक मंच से इस तरह की टिप्पणी करना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पार्टी इसे बर्दाश्त नहीं करेगी और विरोध जारी रहेगा। प्रवक्ता अवधेश कुमार मिश्र के अनुसार, प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के खिलाफ पुतला दहन का कार्यक्रम तय था। इसे देखते हुए सुबह से ही पुलिस बल तैनात कर दिया गया। बताया गया कि कई कार्यकर्ताओं को रास्ते में ही रोक

लिया गया। जिला अध्यक्ष की गाड़ी को भी पटेलनगर तिराहे पर रोक दिया गया। इस दौरान पुतले को लेकर पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच छीना-झपटी हुई। इसके बाद कार्यकर्ता सड़क पर बैठकर विरोध प्रदर्शन करने लगे। मौके पर जिला उपाध्यक्ष गुलाम रसूल, कोषाध्यक्ष रेहान जैदी, कुलदीप उपाध्याय, दीपक मिश्र, राजेश प्रजापति, राजीव गुप्ता सहित अन्य लोग मौजूद रहे। कांग्रेस पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि प्रशासन ने कार्यक्रम को रोकने के लिए सख्ती दिखाई। वहीं, पुलिस की मौजूदगी के बीच प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से जारी रहा।

ग्राम सचिवों की आपात बैठक

बीमार साथी के इलाज के लिए जुटाया सहयोग, कार्य समय तय करने का निर्णय

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। विकासखंड टांडा में तैनात ग्राम सचिव विक्रम सागर के बीमार होने के बाद जनपद के ग्राम सचिवों ने आपात बैठक की। ग्राम पंचायत अधिकारी एवं ग्राम विकास अधिकारी समन्वय समिति के तत्वावधान में जिले के सभी नौ विकास खंडों में यह बैठक आयोजित की गई।

बैठक में ग्राम सचिवों ने विक्रम सागर के इलाज के लिए आर्थिक सहयोग एकत्र किया। बताया गया कि उनका इलाज लखनऊ के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। ग्राम सचिवों ने अवकाश के दिनों में बैठक कराने और छुट्टी न मिलने पर भी नाराजगी जताई।

तय किया गया कि राष्ट्रीय कार्यक्रम या आपात स्थिति को छोड़कर अवकाश के दिन किसी बैठक में भाग नहीं लिया जाएगा। इसके अलावा अन्य विभागों के कार्य ग्राम सचिवों से कराने पर भी

आपत्ति जताई गई।बैठक में निर्णय लिया गया कि जल्द ही जिलाधिकारी से मिलकर समस्याओं का समाधान कराया जाएगा। इस मौके पर समन्वय समिति के पदाधिकारी और विभिन्न विकास खंडों के कई ग्राम सचिव मौजूद रहे। बताया गया कि उनका इलाज लखनऊ के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। ग्राम सचिवों ने अवकाश के दिनों में

तनावपूर्ण कार्य वातावरण पर उठाए सवाल

बैठक में मौजूद सचिवों ने कहा कि लगातार बैठकें और देर रात तक वर्चुअल कॉन्फ्रेंस के कारण कार्य का दबाव बढ़ रहा है। इसे स्वास्थ्य पर असर डालने वाला बताया गया। इस दौरान सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन केवल कार्यालय समय सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक ही किया जाएगा। इसके बाद किसी बैठक या वीसी में शामिल नहीं होने का फैसला लिया गया।

बैठक कराने और छुट्टी न मिलने पर भी नाराजगी जताई। इसके बाद किसी बैठक या वीसी में शामिल नहीं होने का फैसला लिया गया।

गेहूं की फसल में आग, तीन बीघा फसल जलकर राख

हवा तेज होने से तेजी से फैली आग, फायर ब्रिगेड ने पाया काबू

तमसा संकेत, संवाददाता

बसखारी, अंबेडकरनगर। थाना क्षेत्र के बीबीपुर गांव में शुक्रवार को अज्ञात कारणों से गेहूं की फसल में अचानक आग लग गई। आग की चपेट में आने से करीब आधा दर्जन किसानों की लगभग तीन बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई।आग नहर किनारे स्थित सियाराम वर्मा के खेत से शुरू हुई। तेज हवा के कारण आग तेजी से फैलती चली गई और आसपास के खेतों को भी अपनी चपेट में लेने लगी। आग की लपटें और धुएं का गुबार देखकर इलाके में अफरा-तफरी मच गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और पेड़-पौधों की टहनियों व उपलब्ध संसाधनों से आग बुझाने का प्रयास करने लगे।स्थिति बिगड़ने पर पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। सूचना पर उपनिरीक्षक ओंकार पटेल

पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। कुछ ही देर बाद फायर ब्रिगेड की टीम भी पहुंच गई। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया गया।स्थानीय लोगों के अनुसार यदि समय पर आग नहीं बुझाई जाती तो सैकड़ों बीघा फसल जल सकती थी। आग से सियाराम वर्मा, मनीराम, मायाराम, त्रिलोकी, जोखू राजभर सहित कई किसानों की फसलें प्रभावित हुईं। फसल पूरी तरह जलने से किसानों को आर्थिक नुकसान हुआ है।घटना के बाद हल्का लेखपाल ने मौके पर पहुंचकर क्षति का आकलन किया और रिपोर्ट तैयार की।

विवाद : एससी/एसटी एक्ट सहित कई धाराओं में केस दर्ज, कर्मचारियों का कार्य बहिष्कार

विद्युत विभाग के अधिकारी पर हमला, कोटेदार गिरफ्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के अधिशासी अभियंता, एसडीओ और जेई के साथ मारपीट के मामले में पुलिस ने कोटेदार सहित चार अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है। मामले में एससी/एसटी एक्ट और सरकारी कार्य में बाधा डालने की धाराएं लगाई गई हैं। पुलिस ने कोटेदार आशाराम यादव को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जिलाध्यक्ष अनिल कुमार बाल्मिक ने कहा कि यदि सभी आरोपियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो आपूर्ति व्यवस्था बंद कर आंदोलन किया जाएगा। धरना और कार्यालय बंद रहने से उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। गलत बिजली बिल, खराब मीटर और ट्रांसफार्मर से जुड़ी शिकायतों के समाधान के लिए लोग

दिनभर भटकते रहे। मरैला निवासी सूरज कुमार ने बताया कि गलत बिल की शिकायत लेकर आए थे, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। अकब-रपुर की शांति देवी ने कहा कि मीटर बदलवाने के लिए आई थीं, लेकिन कार्यालय बंद मिला।

मीटर लगाने के दौरान हुआ विवाद

घटना हंसवार विद्युत उपकेंद्र क्षेत्र के तिलकारपुर गांव की है। गुरुवार दोपहर अवर अभियंता जयनाथ राम, उपखंड अधिकारी कुमार अनिकेत और लाइनमैन गांव में मीटर लगाने पहुंचे थे। इसी दौरान कोटेदार और उसके साथियों ने विरोध शुरू कर दिया। सूचना पर अधिशासी अभियंता एके यादव भी मौके पर पहुंचे। आरोप है कि परिसर में मीटर लगाने को लेकर विवाद बढ़ गया और कोटेदार ने ईंट का टुकड़ा उठाकर हमला करने का प्रयास किया। थानाध्यक्ष अभिनेश कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। अन्य अज्ञात आरोपियों की तलाश जारी है।

पुलिस तैनाती और सुरक्षा की मांग

कर्मचारियों ने विद्युत उपकेंद्रों पर पुलिस सुरक्षा तैनात करने की मांग उठाई। उनका कहना है कि इस घटना से कर्मचारियों में असुरक्षा का माहौल है। धरने में अधिशासी अभियंता मोहित कुमार, विजिलेंस अधिकारी धवन पाल, अंकित राज, सतीश कुमार, रविंद्र पाल, महेंद्र पटेल, रवि शंकर निषाद, टीजी-दो विनीत कुमार, संविदा मंडली अध्यक्ष बालमुकुंद और जिलाध्यक्ष दिनेश यादव समेत कई कर्मचारी मौजूद रहे।

कर्मचारियों का कार्य बहिष्कार और धरना

घटना के विरोध में शुक्रवार को विद्युत कर्मचारी संगठनों ने कार्य बहिष्कार किया। अवर अभियंता, एसडीओ और लाइनमैन ने कार्यालयों में ताला लगाकर अधीक्षण अभियंता कार्यालय के सामने धरना दिया। धरने में राज्य विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियर्स संगठन, विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति और पावर संविदा कर्मचारी संघ के सदस्य शामिल रहे। कर्मचारियों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। अधीक्षण अभियंता रजनीश श्रीवास्तव ने बताया कि मामले में सख्त कार्रवाई के लिए पुलिस अधीक्षक को पत्र भेजा गया है।

सब्जी व्यापारियों का प्रदर्शन, डीएम को सौंपा ज्ञापन

शिफ्टिंग और नोटिस के विरोध में उतरे सैकड़ों व्यापारी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। शहजादपुर की पुरानी सब्जी मंडी के फुटकर व्यापारियों ने नगर पालिका प्रशासन के नोटिस के खिलाफ विरोध तेज कर दिया है। शुक्रवार को सैकड़ों व्यापारियों ने पूर्व सांसद रितेश पांडे के नेतृत्व में जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। व्यापारियों का आरोप है कि नगर पालिका प्रशासन बार-बार नोटिस देकर उन्हें हटाने का दबाव बना रहा है। उनका कहना है कि वे किराए के मकानों में सब्जी बेचकर परिवार का पालन-पोषण कर रहे हैं और सड़क पर अतिक्रमण नहीं किया गया है। इसके बावजूद कार्रवाई की जा रही है। व्यापारियों ने बताया कि उन्हें मालीपुर रोड स्थित संजय टॉकीज के पीछे बभनगवां सिझौली में शिफ्ट किया गया है।

उनका कहना है कि यह स्थान बाजार से काफी दूर है। यहां बुनियादी सुविधाएं भी नहीं हैं।रितेश पांडे ने कहा कि दूर स्थित मंडी से खासकर महिलाओं को दिक्कत होगी। उन्होंने प्रशासन से मामले की जांच कर उचित समाधान की मांग की। जिलाधिकारी ने ज्ञापन को गंभीरता से लेते हुए जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।व्यापारियों ने यह भी कहा कि नए स्थल पर साल में लगने वाले मेलों के दौरान उन्हें जगह खाली करनी पड़ेगी। इससे रोजगार पर असर पड़ेगा।स्थानीय लोगों का कहना है कि पुरानी मंडी की जमीन लंबे समय से सब्जी बाजार के रूप में उपयोग में रही है। ऐसे में अचानक बदलाव से व्यापारियों के सामने समस्या खड़ी हो गई है।

सम्पादकीय

खतरे में युद्धविराम

यह निराशाजनक है और चिंताजनक भी कि 40 दिनों के घमासान के बाद अमेरिका और ईरान के बीच जिस युद्धविराम पर सहमति बनी, वह लागू होने के पहले ही खटाई में पड़ता दिख रहा है। इसका कारण यह है कि लेबनान में इजरायल के हमले थमे नहीं। इजरायल का कहना है कि लेबनान पर हमले रोकना युद्धविराम समझौते का हिस्सा नहीं था। अमेरिका भी यही कह रहा है, लेकिन ईरान इससे सहमत नहीं और वह होर्मुज समुद्री मार्ग खोलने से पीछे हट गया है। स्पष्ट है कि यदि इजरायल के लेबनान पर हमले जारी रहते हैं तो पाकिस्तान की कथित मध्यस्थता से जिस युद्धविराम पर सहमति बनी और जिसके कारण विश्व ने राहत की सांस ली, वह लागू ही नहीं हो सकेगा। इसके लागू होने के आसार इसलिए भी कम होते दिख रहे हैं, क्योंकि इजरायल के लेबनान पर हमलों के जवाब में ईरान खाड़ी देशों को निशाना बना रहा है और उधर अमेरिका धमकी भरे स्वर में कह रहा है कि युद्धविराम लागू न होने पर उसकी सेनाएं ईरान पर हमले के लिए तैयार हैं।

युद्धविराम कितनी नाजुक स्थिति में है, इसका पता इससे भी चलता है कि वार्ता के लिए ईरान का जो प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद पहुंचने वाला था, उसका फिलहाल वहां जाना तय नहीं। इस सबके बीच जिन शर्तों पर युद्धविराम पर सहमति बनी थी, उन्हें लेकर अमेरिका और ईरान अलग-अलग दावे कर रहे हैं। दोनों पक्ष एक-दूसरे पर यह आरोप लगा रहे हैं कि वे उनकी मंशा सही तरह समझे नहीं। ऐसा तभी होता है, जब अविश्वास चरम पर होता है और विरोधी पक्ष एक-दूसरे के प्रति संशय से भरे होते हैं। इस संशय का एक कारण पाकिस्तान की कथित मध्यस्थता भी है।

अब यह स्पष्ट है कि पाकिस्तान मध्यस्थता का नहीं, संदेश वाहक का काम रहा रहा था। लगता है वह यह काम भी ढंग से नहीं कर सका या फिर शांति का वाहक बनने की हड़बड़ी में उसने एक-दूसरे को संदेश देने में गफलत की या जानबूझकर ऐसे संदेशों का आदान-प्रदान किया, जो भ्रम पैदा करने वाले रहे। यह समझना कठिन है कि अमेरिका ने क्या सोचकर पाकिस्तान को अपना हरकारा बनाया, क्योंकि उसका इजरायल से कोई संपर्क-संवाद ही नहीं और ईरान भी उस पर बहुत भरोसा नहीं करता।

यदि अमेरिका और ईरान वास्तव में युद्धविराम कर बातचीत के माध्यम से विवादों का हल करना चाहते हैं तो उन्हें ऐसे किसी भरोसेमंद मध्यस्थ का चयन करना होगा, जिसकी कुछ साख हो। दोनों ही पक्षों को यह समझना होगा कि युद्धविराम केवल उनके या फिर पश्चिम एशिया के लिए ही नहीं, पूरी दुनिया के लिए आवश्यक है, क्योंकि होर्मुज समुद्री मार्ग बाधित होने से विश्व अर्थव्यवस्था गहरे संकट का सामना कर रही है। इस मार्ग के बंद होने से उपजे ऊर्जा संकट से पूरी दुनिया में उद्योग-धंधे प्रभावित हो रहे हैं।

रेवड़ियों की राजनीतिः कल्याण, प्रतिस्पर्धा और बढ़ते आर्थिक संकट के बीच बनी चुनौती

> फ्रीबीज की सबसे बड़ी आलोचना इसके आर्थिक प्रभाव को लेकर है। आंकड़े बताते हैं कि कई राज्यों में इन योजनाओं का खर्च कुल राजस्व का 30 से 40 प्रतिशत तक पहुंच गया है। इसका सीधा मतलब है कि सरकारों के पास विकास कार्यों के लिए पैसा कम बच रहा है।

भारत की लोकतांत्रिक राजनीति में पिछले एक दशक में एक बड़ा बदलाव आया है। नीतियों का फोकस तेजी से फ्रीबीज यानी मुफ्त योजनाओं की ओर हुआ है। कभी सामाजिक सुरक्षा के औजार के रूप में देखी जाने वाली ये योजनाएं अब चुनावी रणनीति का केंद्र बन चुकी हैं। नकद हस्तांतरण, मुफ्त राशन, महिलाओं के लिए मासिक सहायता, बिजली-पानी सब्सिडी-इन सबने मिलकर एक ऐसा मॉडल तैयार किया है, जिसमें चुनाव जीतने का गणित सीधे "सीधे लाभ" से जुड़ गया है। लेकिन इस मॉडल की कीमत क्या है? क्या यह वास्तव में गरीबों के सशक्तिकरण का रास्ता है या फिर अर्थव्यवस्था को कमजोर करने वाला एक दीर्घकालिक जोखिम? यही इस पूरे विमर्श का मूल प्रश्न है।

राजनीति का नया समीकरण

फ्रीबीज की राजनीति का सबसे बड़ा उभार 2020 के बाद देखने को मिला, जब विभिन्न राज्यों में चुनावी घोषणाओं में नकद सहायता और मुफ्त सेवाओं का अनुपात तेजी से बढ़ा। पश्चिम बंगाल की "लक्ष्मीर भंडार" योजना, मध्यप्रदेश की "लाड़ली बहना", तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना, महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में महिलाओं के खातों में सीधे पैसे भेजने की योजनाएं-इन सबने एक नया ट्रेंड सेट किया। अब स्थिति यह है कि चुनावी घोषणापत्र "विकास के वादों" से ज्यादा "सीधे पैसे और सुविधाओं" के इर्द-गिर्द घूमने लगे हैं। राजनीतिक दलों के बीच एक तरह की प्रतिस्पर्धा बन गई है कि कौन ज्यादा देगा, कौन ज्यादा तेज़ी से देगा और किस वर्ग को सीधे लाभ पहुंचाएगा। इस प्रतिस्पर्धा ने लोकतांत्रिक राजनीति को "नीतिगत बहस" से हटाकर "आर्थिक ऑफर" की दिशा में मोड़ दिया है।

महिलाओं को केंद्र में रखकर बदली रणनीति

फ्रीबीज की राजनीति का सबसे अहम पहलू है-महिला मतदाताओं को केंद्र में रखना। लगभग हर राज्य में महिलाओं के लिए अलग योजनाएं बनाई जा रही हैं, जिनमें हर महीने 1000 से 2500 रुपये तक की नकद सहायता दी जा रही है। इस रणनीति के पीछे स्पष्ट गणित है। कई राज्यों में महिला वोटरों की संख्या पुरुषों के बराबर या उससे अधिक हो चुकी है। तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों में महिलाओं का वोट प्रतिशत 50 प्रतिशत से ज्यादा है। ऐसे में यह वर्ग चुनावी नतीजों को निर्णायक रूप से प्रभावित कर सकता है।

इन योजनाओं का सामाजिक असर भी दिखा है। कई गरीब परिवारों में महिलाओं के हाथ में पहली बार नियमित नकदी आई है, जिससे उनका घरेलू निर्णयों में प्रभाव बढ़ा है। लेकिन इसके साथ ही यह सवाल भी उठता है कि क्या यह वास्तविक सशक्तिकरण है या सिर्फ आर्थिक निर्भरता का नया रूप?

बढ़ता कर्ज और घटता निवेश

मध्यप्रदेश में लाड़ली बहना और अन्य सब्सिडी योजनाओं पर सालाना करीब 50 हजार करोड़ रुपये खर्च हो रहे हैं। तेलंगाना में चुनावी वादों को पूरा करने के लिए हर साल लगभग एक लाख करोड़ रुपये की जरूरत है। पंजाब में स्थिति और गंभीर है, जहां आय और खर्च के बीच बड़ा अंतर है और बजट संतुलन बिगड़ चुका है। इसका असर यह हो रहा है कि सरकारें लगातार कर्ज ले रही हैं। कर्ज-से-जीएसडीपी अनुपात बढ़ रहा है, जिससे भविष्य में वित्तीय संकट का खतरा बढ़ जाता है। छोटे राज्यों में तो स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि वेतन और पेंशन देने में भी दिक्कत आने लगी है।

विकास बनाम कल्याण

जब बजट का बड़ा हिस्सा फ्रीबीज पर खर्च होता है तो सबसे पहले असर विकास परियोजनाओं पर पड़ता है। सड़क, पुल, सिंचाई, शिक्षा, स्वास्थ्य-ये सभी क्षेत्र धीरे-धीरे फंड की कमी से प्रभावित होते हैं। राजस्थान जैसे राज्यों में सड़क और पानी परियोजनाओं का बजट कम करना पड़ा। महाराष्ट्र में कुछ पारंपरिक योजनाएं बंद करनी पड़ीं। इसका मतलब यह है कि तत्काल राजनीतिक लाभ के लिए दी जा रही राहत, दीर्घकालिक विकास को कमजोर कर रही है।

यह स्थिति एक "ट्रेड-ऑफ" पैदा करती है-क्या सरकारें आज राहत दें या भविष्य के लिए निवेश करें? अगर यह संतुलन बिगड़ता है, तो आने वाले वर्षों में रोजगार, औद्योगिक विकास और आर्थिक वृद्धि पर गंभीर असर पड़ सकता है।

चुनावी प्रतिस्पर्धा और 'रेवड़ी कल्चर' का दुष्चक्र

फ्रीबीज की राजनीति का सबसे चिंताजनक पहलू है इसका "दुष्चक्र"। एक राज्य में अगर कोई पार्टी 1000 रुपये की योजना लाती है, तो दूसरी पार्टी 1500 या 2000 रुपये का वादा करती है। यह प्रतिस्पर्धा धीरे-धीरे अनियंत्रित होती जाती है। इसका परिणाम यह होता है कि नीतियां जरूरत के आधार पर नहीं, बल्कि चुनाव जीतने की रणनीति के आधार पर बनाई जाती हैं। राजनीतिक दल जानते हैं कि एक बार कोई योजना लागू हो गई, तो उसे बंद करना लगभग असंभव हो जाता है, क्योंकि इससे वोट बैंक प्रभावित होता है। इस तरह फ्रीबीज एक स्थायी राजनीतिक दबाव बन जाते हैं, जो हर सरकार को मजबूर करते हैं कि वह इसे जारी रखे या और बढ़ाए। यह स्थिति आर्थिक अनुशासन के लिए सबसे बड़ा खतरा बनती जा रही है।

संवैधानिक और नीतिगत अस्पष्टता

फ्रीबीज पर बहस का एक महत्वपूर्ण पहलू इसका कानूनी और संवैधानिक पक्ष है। सुप्रीम कोर्ट ने यह माना है कि कल्याणकारी योजनाएं असंवैधानिक नहीं हैं, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि चुनाव से पहले घोषित योजनाओं की सीमा क्या होनी चाहिए। क्या चुनावी वादे प्रलोभन की श्रेणी में आते हैं? क्या इनके लिए कोई वित्तीय सीमा तय होनी चाहिए? क्या सरकारों को यह बताना चाहिए कि इन योजनाओं के लिए पैसा कहां से आएगा? इन सवालों का स्पष्ट जवाब नहीं होने के कारण राजनीतिक दलों को खुली छूट मिल जाती है। नतीजा यह है कि नीतिगत पारदर्शिता और जवाबदेही कमजोर होती जा रही है।

राजेश जैन

भारत के लिए यह बहुत...

रामस्वरूप रावतसरे

भारत के लिए कितनी अहम है, प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर की सफलता!

ईरान जंग की वजह से पूरी दुनिया में बेचैनी है। कच्चे तेल के दाम बढ़ने से हर तरफ महंगाई बढ़ रही है। अमेरिका से लेकर नेपाल तक हर मुल्क की जनता परेशान है। भारत भी इस जंग के असर से अछूता नहीं है लेकिन, अब भारत के हाथ अलादीन का चिराग लग गया है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसकी घोषणा की है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो इस अलादीन के चिराग के दम पर भविष्य में भारत एक जगमगाता सितारा बन जाएगा। भारत को अरब देशों या रूस से तेल पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

फास्ट ब्रीडर न्यूक्लियर रिएक्टर एक बेहद जटिल टेक्नोलॉजी है। पश्चिमी देश इस तकनीक को हासिल करने में नाकाम रहे हैं। इस तकनीक वाले न्यूक्लियर रिएक्टर में यूरेनियम की जगह थोरियम का इस्तेमाल किया जाता है और दुनिया के थोरियम भंडार का 25 फीसदी हिस्सा भारत में हैं यानी इस तकनीक की बदौलत परमाणु बिजली के क्षेत्र में भारत की यूरेनियम पर निर्भरता खत्म हो जाएगी। भारत में यूरेनियम भंडार बहुत नगण्य है। इसके लिए भारत को रूस और ऑस्ट्रेलिया पर निर्भर रहना पड़ता है।

जानकारी के अनुसार भारत ने फास्ट ब्रीडर न्यूक्लियर रिएक्टर की कल्पना 70 साल पहले की थी। जानेमाने वैज्ञानिक होमी जहांगीर

भाभा ने इस दिशा में काम शुरू किया था। तब से भारत इस तकनीक को हासिल करने में लगा था। दरअसल, दुनिया के सबसे अमीर छह देशों ने फास्ट ब्रीडर न्यूक्लियर रिएक्टर्स तकनीक हासिल करने पर 50 बिलियन डॉलर (लगभग 4.25 लाख करोड़ रुपये) खर्च कर चुके हैं। लेकिन, असफलता के कारण एक-एक करके सभी ने प्रोजेक्ट छोड़ दिए। इस तकनीक को विकसित करने के लिए अमेरिका ने 15 बिलियन, जापान ने 12 बिलियन, ब्रिटेन ने 8 बिलियन, जर्मनी ने 6 बिलियन डॉलर खर्च कर दिए. फ्रांस और इटली भी भाग खड़े हुए। सबने कहा कि यह तकनीक हासिल करना बहुत मुश्किल और बहुत महंगा है लेकिन भारत ने सिर्फ 90 करोड़ डॉलर (लगभग 7,700 करोड़ रुपये) में अपना पहला कमर्शियली वायबल प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर विकसित कर लिया। ऐसा करने वाला भारत, रूस और चीन के बाद तीसरा देश है। वर्ष 2004 में यह प्रोजेक्ट शुरू हुआ प्रोजेक्ट था। शुरुआती बजट 42 करोड़ डॉलर का था. अब 22 साल बाद दर्जनों बार डेडलाइन खत्म होने और लागत दोगुनी होने के बाद भारत के हाथ सफलता लगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे सिविल न्यूक्लियर के सफर में एक अहम कदम बताया है। प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) एक बेहद उन्नत किस्म का न्यूक्लियर रिएक्टर है, जिसे भारत ने अपनी खास जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया है। 'फास्ट' का मतलब है कि इसमें तेज गति वाले न्यूट्रॉन का इस्तेमाल होता है और 'ब्रीडर' का मतलब है कि यह रिएक्टर जितना परमाणु ईंधन खर्च करता है, उससे ज्यादा नया ईंधन खुद बना लेता है। आम न्यूक्लियर रिएक्टर जहाँ यूरेनियम का उपयोग करके ऊर्जा पैदा करते हैं, वहीं पीएफबीआर यूरेनियम और प्लूटोनियम के साथ-साथ भविष्य के लिए नया ईंधन भी तैयार करता है, जिससे ईंधन की कमी का खतरा कम हो जाता है। भारत के लिए यह बहुत अहम है, क्योंकि हमारे पास यूरेनियम सीमित है लेकिन थोरियम का भंडार काफी ज्यादा है। प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) के 'क्रिटिकलिटी स्तर' हासिल करने का मतलब यह है कि अब रिएक्टर के भीतर परमाणु प्रतिक्रिया (न्यूक्लियर फिशन) अपने आप लगातार और नियंत्रित तरीके से चलने लगी है। जब एक परमाणु टूटता है और उससे निकलने वाले न्यूट्रॉन ठीक उतनी ही संख्या में दूसरे परमाणुओं को तोड़ते रहते हैं जिससे यह प्रक्रिया बिना रुके चलती रहे, उसी स्थिति को 'क्रिटिकल' कहा जाता है। इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी के अनुसार, क्रिटिकलिटी वह स्थिति है जब परमाणु श्रृंखला अभिक्रिया स्थिर रूप से खुद चलती रहती है, यानी हर फिशन से उतने ही न्यूट्रॉन पैदा होते हैं जितने अगले फिशन को जारी रखने के लिए जरूरी होते हैं। इस चरण के बाद वैज्ञानिक धीरे-धीरे इसकी क्षमता बढ़ाते हैं और इसे बिजली उत्पादन के लिए पूरी तरह तैयार करते हैं। रिपोर्ट के अनुसार भारत का परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम तीन चरणों में बनाया गया है, जिसे होमी जे भाभा ने तैयार किया था।

सरकार ने...

डॉ. शैलेश शुक्ला

क्या हम नेपाल की नई सरकार से कुछ सीखेंगे?

दक्षिण एशिया के छोटे लेकिन राजनीतिक रूप से अत्यंत सक्रिय देश नेपाल में हाल ही में बनी नई सरकार ने कुछ ऐसे निर्णय और पहलें सामने रखी हैं जिनकी चर्चा न केवल वहाँ की आंतरिक राजनीति में, बल्कि पड़ोसी देशों में भी हो रही है। सीमित संसाधनों, जटिल भौगोलिक परिस्थितियों और राजनीतिक अस्थिरता के लंबे इतिहास के बावजूद नेपाल में शासन के नए प्रयोग यह संकेत देते हैं कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति स्पष्ट हो तो अपेक्षाकृत कम संसाधनों में भी जनहितकारी नीतियों की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकते हैं। यही कारण है कि यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है—क्या भारत जैसे बड़े लोकतंत्र को नेपाल की इन पहलों से कुछ सीखने की आवश्यकता है?

नेपाल की नई सरकार की सबसे अधिक चर्चा में रही पहल शिक्षा क्षेत्र से जुड़ी है, जहाँ निजी कोचिंग संस्थानों और निजी स्कूलों के संचालन पर सख्त नियंत्रण और नियमन की दिशा में कदम उठाए गए हैं। यद्यपि इन संस्थानों को पूरी तरह बंद करने जैसी अतिवादी व्याख्याएँ कई जगह सामने आईं, परंतु वास्तविकता यह है कि सरकार ने शिक्षा के व्यवसायीकरण को सीमित करने और सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली को सशक्त बनाने के उद्देश्य से कठोर नियम लागू किए हैं। इस नीति का मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि शिक्षा केवल आर्थिक रूप से सक्षम वर्ग तक सीमित न रह जाए, बल्कि समाज के सभी वर्गों को समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो सके। यह दृष्टिकोण उस व्यापक चिंता को प्रतिबिंबित करता है, जो आज पूरे दक्षिण एशिया में शिक्षा के बढ़ते निजीकरण को लेकर व्यक्त की जा रही है। नेपाल की इस पहल का एक महत्वपूर्ण संदेश यह है कि शिक्षा को केवल 'सेवा' नहीं, बल्कि 'सार्वजनिक अधिकार' के रूप में देखा जाना चाहिए। जब निजी स्कूल और कोचिंग संस्थान अनियंत्रित रूप से बढ़ते हैं तो वे एक समानांतर शिक्षा व्यवस्था खड़ी कर देते हैं, जिसमें गुणवत्ता और अवसर दोनों ही आर्थिक क्षमता पर निर्भर हो जाते हैं। नेपाल सरकार ने इस असंतुलन को पहचानते हुए सार्वजनिक शिक्षा व्यवस्था को पुनर्जीवित करने की दिशा में प्रयास किया है। यदि यह प्रयोग सफल होता है, तो यह पूरे क्षेत्र के लिए एक उदाहरण बन सकता है।

इसके अतिरिक्त, नेपाल सरकार ने स्वास्थ्य, प्रशासनिक पारदर्शिता और स्थानीय शासन को मजबूत करने के क्षेत्र में भी कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। सरकारी अस्पतालों की सेवाओं को बेहतर बनाने, दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुँचाने की दिशा में प्रयास किए गए हैं। यह एक महत्वपूर्ण संकेत है कि सरकार अपनी प्राथमिकताओं को स्पष्ट रूप से जनसामान्य की मूलभूत आवश्यकताओं के अनुरूप ढालने का प्रयास कर रही है।

संसदीय कामकाज की बदलती संस्कृति

भारत का लोकतंत्र बहुलतावाद पर आधारित राष्ट्रीयता की उस उदात्त कल्पना पर प्रतिष्ठित है, जिसमें विविधता को शक्ति माना गया है। भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी संवैधानिक संस्थाएं हैं। संसद इन संस्थाओं का सर्वोच्च मंच है। इस सदन में व्यक्त होने वाली हर आवाज देश के करोड़ों नागरिकों की आशाओं और अपेक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती है। लोकसभा अध्यक्ष का पद भारतीय संसदीय लोकतंत्र में सर्वोच्च गरिमापूर्ण, निष्पक्ष और शक्तिसंपन्न संवैधानिक पद है। संविधान के अनुच्छेद 93 के अंतर्गत निर्वाचित लोकसभा के अध्यक्ष/ उपाध्यक्ष सदन की कार्यवाही के सुचारु संचालन, नियमों के पालन, सांसदों के अनुशासन, विशेषाधिकारों की रक्षा और सदन की सर्वोच्चता बनाए रखने के लिए संरक्षक के रूप में कार्य करते हैं। वर्तमान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को 19 जून, 2019 को 17वीं लोकसभा का अध्यक्ष सर्वसम्मति से निर्वाचित किया गया। इस निर्वाचन में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के साथ-साथ प्रमुख विपक्षी दलों ने भी अपना समर्थन दिया। यह व्यापक सहमति इस विश्वास का प्रमाण थी कि वे सदन को संतुलित, प्रभावी और अनुशासित रीति से संचालित करने की क्षमता रखते हैं। अध्यक्ष पद ग्रहण करने के उपरांत उन्होंने जो सुधारात्मक प्रयास और संस्थागत नवाचार किए, उनसे न केवल लोकसभा की कार्य संस्कृति में सकारात्मक परिवर्तन आया, अपितु सदन की कार्यक्षमता में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई। ओम बिरला ने सदन की कार्यवाही में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित कर दशकों से चली आ रही परिपाटी को नई दिशा दी है। लोकतंत्र में वैचारिक मतभेद स्वाभाविक एवं अपेक्षित हैं, किंतु वे मनभेद में परिवर्तित नहीं होने चाहिए।

प्रेम कुमार

जरा हटके

पाकिस्तान की ...

सौरभ वार्ष्णेय

युद्धविराम में पाकिस्तान तो सिर्फ मोहरा, असली किंगमेकर चीन

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव न केवल पश्चिम एशिया की स्थिरता के लिए खतरा है बल्कि दक्षिण एशिया के देशों, विशेषकर पाकिस्तान, के लिए भी एक कठिन कूटनीतिक की परीक्षा बनकर रह गया है। पाकिस्तान की भौगोलिक स्थिति, उसकी सैन्य-रणनीतिक अहमियत और इस्लामी देशों के साथ उसके रिश्ते इस संकट में उसकी भूमिका को बेहद महत्वपूर्ण बना देते हैं। वहीं चीन की चुप्पी कमजोरी नहीं, बल्कि एक सोची-समझी रणनीति है। वह सीधे मंच पर आने के बजाय पर्दे के पीछे से प्रभाव डालकर अपने हितों को सुरक्षित रखना चाहता है। अगर ऐसे में युद्ध विराम दो हफ्ते की वजाह पूरी तरह से सफल हो जाता है, इसमें चीन का ही फायदा होगा? क्योंकि फिर से अमेरिका तेल ऊर्जा की महाशक्ति बनते बनते रह जायेगा? आज अमेरिका -ईरान के बीच भले ही दो हफ्ते का युद्धविराम हो गया है लेकिन पूरी तरह से हो गया है यह कहना बेईमानी होगी? युद्धविराम का अर्थ है कि शांति ? अमेरिका-ईरान-इजरायल युद्ध पश्चिम एशिया के लिए ही नहीं बरन पूरी दुनिया के लिए ऊर्जा संकट को खतरा बढ़ गया, वहीं दक्षिण एशिया के देशों, विशेषकर पाकिस्तान, के लिए भी एक कठिन कूटनीतिकार की भूमिका में ला खड़ा किया। पाकिस्तान की भौगोलिक स्थिति को देखा जाये तो उसकी सैन्य-रणनीतिक अहमियत और इस्लामी देशों के साथ उसके रिश्ते इस संकट में उसकी भूमिका को बेहद महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं क्योंकि इसके पीछे असली दिमाख तो चीन का लगा है, यानी जैसे अमेरिका खुद न लड़कर दूसरे के कंधे पर रखकर बंदूक चलाता है, वैसे ही पैतरा चीन ने सीख लिया। चीन ने भी पाकिस्तान को मोहरा

बनाकर इस संकट से उबरने के लिए उसे अपना मोहरा बनाया। यह भी किसी से छिपा नहीं है कि अमेरिका यह सब जानता न हो लेकिन इस समय इजरायल के जाल में फंसकर जैसा कि इजरायल शुरु से चाहता है कि ईरान को नेस्तनाबूद किया जाये। अब ऐसे समय में अमेरिका ने दो २ हफ्ते का युद्ध विराम घोषित कर पाकिस्तान को इसका क्रेडिट दे दिया। वहीं इजरायल अब भी युद्ध छेड़े हुए हैं जिससे ईरान को होर्मूज को फिर से बंद करना पड़ा है, यानी ऊर्जा संकट फिर से खड़ा हुआ। अब पाकिस्तान की रणनीति कहां गई हालांकि पाकिस्तान में बातचीत के लिए मेज सजाई जा रही है। लेकिन चीन जैसे चाहता है वैसे शतरंज के प्यादे की तरह पाकिस्तान को चला रहा है।

रमणीक और अरमणीक

हम हमारे जीवन में अध्यात्म को सही से समझ ओत- प्रोत हो उसमें रमकर अपने जीवन में होते हैं तो हमारा जीवन सुन्दर सुव्यवस्थित हो जाता हैं । वह तब हम रमणीक हो जाते हैं । एक घटना प्रसंग एक दिल के मरीज का ऑपरेशन करने के बाद खुशमिजाज सर्जन ने एक वाक्य में ऐसा कहा जो दिल को छू गया। उसने कहा कि आपके दिल का हाल देखकर तो मैं डर गया पर हिम्मत कर सारा दोष मिटाकर आपका दिल दुरुस्त कर दिया। किन्तु आगे के लिए एक बात कहूंगा कि हृदय अगड़म-बगड़म कूड़ा-करकट भरने की टोकरी नहीं है । यह प्रसन्नता व मधुर स्मृतियां संजोने का स्वर्ण पात्र हैं । हम इसी उद्देश्य के लिए मात्र इसका सदुपयोग करें । ताकि वह सदा सदा प्रसन्न मन रहें और सुस्वास्थ्य का जीवन धन पाएं । हमारे सामने जीवन में अनेक प्रकार की परिस्थितियां आती है जो हमको अरमणीक बनाती हैं । अब प्रश्न आता कि रमणीक और अरमणीक क्या हैं? हम इसको उदाहरणों से भी समझ सकतें हैं । एक उद्यान हैं । उसके सारे वृक्ष हरें भरें हैं । पत्ते हरे - भरें, फल लगें हुए , भीनी- भीनी उसकी सुगंध आ रही हैं । वह लोग वहां जातें हैं तो उनका मन आह्लादित हो जाता हैं । वह वनखंड उद्यान रमणीक होता हैं । वह जब पतझड़ आता हैं, पत्ते झड़ जातें हैं, फल भी नहीं रहतें , वृक्ष केवल ठूंठ जैसे रह जातें हैं तब वहां मनुष्य नहीं जाते हैं । वह वहां निवास करने वाले पक्षी भी उड़ जातें हैं । दो अवस्थाएं हो गईं । एक समय उद्यान रमणीक था , एक समय ऐसा आया कि उद्यान अरमणीक बन गया । अतः हमको अरमणीक नहीं बनना है । वह सदा हरे- भरे उद्यान जैसा रहना हैं । हमें सुंदर रहना हैं, रमणीय रहना है , आकर्षक रहना हैं । दूसरा उदाहरण एक नाट्यशाला हैं । उसमें नाटक होते हैं । वह जब नाटक होते हैं तब नट नाना प्रकार के वेश में आते हैं । बहुत सुंदर वेश में आते हैं । वह बहुत रमणीय लगते हैं , अच्छे लगते हैं । लोग उन्हें देखतें रहतें हैं । वह जब नाटक चलता रहता हैं , तब तक लोग उठना नहीं चाहतें हैं । वे बहुत करतब दिखातें हैं , नए- नए रूप में आते हैं । नाटक समाप्त होता हैं । नट अपना वेश उतारतें है । किसी का मुंह रंगा हुआ होता हैं , किसी का शरीर कैसा ही होता हैं । उस समय उनको कोई देख लेता हैं तो दूर भाग जातें हैं । नाटक करते समय नट रमणीय थे, बहुत सुंदर लग रहें थे । नाटक की समाप्ति के बाद वेश को उतारा तो अरमणीय जैसे बन गए । ये दोनों अवस्थाएं होती हैं । तीसरा उदाहरण हम इक्षुवाट देख सकतें हैं । ईख पकने का समय होता हैं तब ईख के पेड़ा हो जाता हैं, ईख का रस निकाला जाता हैं । ईख को पैरते हैं, उस समय भीड़ हो जाती हैं । कोई गुड लेने वाले आते, कोई राब लेने वाले आदि- आदि होते हैं । गुड़ की पहली अवस्था राब होती हैं । कोई रस पीने वाले होते हैं । लोग उसके चारों और झूमतें रहतें हैं । वह जब तक इक्षुवाट में ईख का पेरा जाता हैं , तब तक वह सुंदर लगता हैं । लोगों का चारों तरफ आवागमन रहता हैं , एक हलचल- सी रहती हैं । एक रमणीय- सा दृश्य लगता हैं । वह जब सारे ईख पेर लिए जातें हैं, कोल्हू बंद हो जाता हैं, पीछे केवल ईख के छिलके रहतें हैं, उन पर मक्खियां भिनभिनाती हैं । एक समय था कि वह रमणीय लगता था , बाद में वह अरमणीय बन गया । चौथा उदाहरण खलिहान को हमने देखा हैं ।

> प्रदीप छाजेड़

सीतापुर में रात 2 बजे वारदात, लाइसेंसी रिवॉल्वर से सिर में गोली मारी

रिटायर्ड पुलिसकर्मी के बेटे ने लैब टेक्नीशियन की हत्या की

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर । यूपी के सीतापुर में रिटायर्ड पुलिसकर्मी के बेटे ने गुरुवार देर रात 2 बजे लैब टेक्नीशियन की हत्या कर दी। आरोपी शिवेश सिंह (40) ने अपने पिता की लाइसेंसी रिवॉल्वर से सतीश यादव (35) के सिर में गोली मारी। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है।

लैब रिटायर्ड पुलिसकर्मी की ही है। आरोपी उसकी जिम्मेदारी संभालता है। उसका लैब टेक्नीशियन से मनमुटाव था। गुरुवार रात उसका सतीश से किसी बात को लेकर विवाद हुआ। इससे बौखलाया अपने पिता के कमरे में गया। अटैची जलाकर लाइसेंसी रिवॉल्वर निकाली। गोली की आवाज सुनकर सो रहे लाग जाग गए। भागकर मौके पर पहुंचे तो सतीश को खून से लथपथ जमीन पर पड़ा देखा। उसे तुरंत जिला अस्पताल लेकर गए। वहां डॉक्टर्स ने सतीश को मृत घोषित कर दिया। मामला कोतवाली देहात क्षेत्र का है।

सीओ सदर नेहा त्रिपाठी के मुताबिक, आरोपी मानसिक रूप से बीमार था। लैब टेक्नीशियन दो महीने पहले ही लखनऊ में अस्पताल की नौकरी छोड़कर सीतापुर आया था। हालांकि, हत्या के पीछे की असली वजह अभी सामने नहीं आई है। जांच के बाद ही कुछ कह पाएंगे।

नैपालापुर इलाके इलाके में रिटायर्ड हेड कॉन्स्टेबल राजकुमार सिंह का दो मंजिला मकान है। परिवार में पत्नी, बेटे शिवेश सिंह (40) और बहू हैं। मकान में ग्राउंड फ्लोर पर ब्लड बैंक चलता है। पहली मंजिल के पिछले हिस्से में राजकुमार परिवार के साथ रहते हैं। आगे कुछ कमरे बने हैं, जिसमें लैब में काम करने वाले कर्मचारी रहते हैं।

लैब में आजमगढ़ के रहने वाले सतीश यादव बतौर लैब टेक्निशियन काम करते थे। पहली मंजिल पर साथियों के साथ रहते थे। गुरुवार रात शिवेश और सतीश में बहस हुई।

रात 2 बजे विवाद के बाद शिवेश ने सतीश के सिर में गोली मार दी, उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी शिवेश को लैब से हिरासत में ले लिया। फॉरेंसिक टीम ने सबूत जुटाए। लैब को सील कर दिया। प्रभारी निरीक्षक अमर सिंह ने बताया वारदात में इस्तेमाल लाइसेंसी रिवाल्वर को कब्जे में ले लिया गया है। आरोपी युवक से पूछताछ की जा रही है।

रात में ही शिवेश ने अटैची का एक हिस्सा जलाकर रिवाल्वर निकाली थी।

वहीं, मृतक के परिजनों को पुलिस ने सूचना देकर पोस्टमॉर्टम कार्रवाई शुरू कर दी है।

आत्महत्या की सूचना मिली थी, पूछताछ में हत्या की बात पता चली

सीओ सदर नेहा त्रिपाठी ने बताया- गुरुवार देर रात थाना कोतवाली देहात में सूचना मिली कि नैपालापुर में एक बल्ड बैंक में टेक्नीशियन ने गोली मारकर आत्महत्या कर ली है। सूचना पर पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। सबूत जुटाने और पूछताछ में पता चला कि टेक्नीशियन को लैब संचालक के बेटे ने गोली मारी है। आरोपी युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ से पता चला है कि आरोपी को बाइपोलर बीमारी है। यानी उसका मूड अचानक बदलता है। गुस्से पर काबू नहीं रहता। शव का पंचायतनामा कर पोस्टमॉर्टम कार्रवाई कराई जा रही है। परिजनों से तहरीर के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गोरखपुर पुलिस ने 852 मोबाइल बरामद किए

1.27 करोड़ अनुमानित कीमत, सीईआईआर पोर्टल की मदद से मिली कामयाबी

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर पुलिस ने शहर के तमाम थाना क्षेत्र में खोए हुए 852 एंड्रॉयड मोबाइल बरामद किए हैं। जिनकी अनुमानित कीमत 1 करोड़ 27 लाख 78 हजार 4 सौ 17 रुपए है। यह सभी मोबाइल अलग-अलग समय गायब हुए थे। जिन्हें सेंट्रल एक्यूपमेंट आईडेंटिटी रजिस्टर (Central Equipment Identity Register) पोर्टल के माध्यम से क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम की टीम ने कामयाबी हासिल की। उन्होंने उन मोबाइल में लगे सिम को ट्रैस करके डिटेल निकाला और लोकेशन ट्रैक कर खोज निकाला। शुक्रवार को पुलिस लाइन में एसपी सिटी निमिष पाटिल ने मोबाइल स्वामियों को सुपुर्द किया। जिससे उनके खिल उठे। एसपी सिटी निमिष पाटिल ने बताया कि पिछले कुछ महीनों में CEIR पोर्टल पर हुए रजिस्ट्रेशन और विभिन्न थानों में मिली शिकायत के बाद सीसीटीएनएस सेल की टीम लगातार मॉनिटरिंग कर रही थी। शिकायतकर्ता की ओर से पोर्टल पर डाले गए ट्रैसिबिलिटी डिटेल्स के आधार पर टीम ने खोये हुए मोबाइल में इस्तेमाल किए गए सिम कार्ड का डिटेल निकाला और लोकेशन ट्रेस कर फोन का पता लगाया। यह काम लगातार करने के बाद कुल 852 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।

एसपी सिटी निमिष पाटिल ने मोबाइल स्वामियों को सुपुर्द किया।

फास्ट न्यूज

पॉलिटेक्निक स्टूडेंट ने किया सुसाइड

झांसी। झांसी में पॉलिटेक्निक स्टूडेंट ने सुसाइड कर लिया। उसने जंगल में जाकर जहर खा लिया और फिर अपने बड़े भाई को कॉल लगाकर जानकारी दी। भाई ने दोस्तों को फोन करके मौके पर भेजा। तब उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया। जहां इलाज के दौरान शुक्रवार सुबह उसकी मौत हो गई। इसके कुछ देर बाद परिजन भी आ गए। शव देखकर उनका रो रोकर बुरा हाल है।

नीले ड्रम वाली मुस्कान-साहिल को सजा तय

मेरठ। मेरठ के नीले ड्रम से चर्चित सौरभ राजपूत हत्याकांड में सभी 22 गवाहों के बयान दर्ज हो चुके हैं। अब 15 अप्रैल को मुस्कान-साहिल जज के सामने पेश होंगे। केस में अब तक जिन 22 गवाहों ने गवाही दी है, सभी ने मुस्कान-साहिल को ही सौरभ का हत्यारा बताया है। गवाहों के बयान इशारा करते हैं कि हत्या सुनियोजित ढंग से की गई थी। आरोपियों ने चाकू, उस्तरा, सीमेंट, बालू और बड़ा नीला ड्रम पहले ही खरीद लिया था। पुलिस और फोरेंसिक टीम की गवाही ने घटनास्थल की भयावहता को उजागर किया है, जहां खून के निशान पूरे कमरे में फैले थे।

अस्पताल के गेट पर पर्दे लगाकर महिला की डिलीवरी

शामली। शामली में जिला अस्पताल के गेट पर एक महिला की डिलीवरी कराई गई। महिला को दर्द होने पर घर वाले उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां नर्स ने इलाज से मना कर दिया। परिजनों के मुताबिक, नर्स 50 हजार रुपए मांगने लगी। इसके बाद महिलाओं ने अस्पताल गेट पर ही चादर और साड़ी का पर्दा बनाकर डिलीवरी करवाई। घटना का वीडियो सामने आने के बाद विवाद खड़ा हो गया।

इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज में नवाचार बूटकैंप का समापन

तमसा संकेत, संवाददाता

साहिबाबाद। इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज में 6 से 10 अप्रैल 2026 तक आयोजित नवाचार, डिज़ाइन और उद्यमिता बूटकैंप के तीसरे संस्करण का सफल समापन हुआ। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद एवं शिक्षा मंत्रालय के नवाचार प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित इस बूटकैंप को वाधवानी फाउंडेशन के सहयोग और एसबीआई फाउंडेशन की साझेदारी से संपन्न कराया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन 6 अप्रैल को एआईसीटीई के चेयरमैन प्रो. योगेश सिंह और सदस्य सचिव डॉ. श्यामा राठ द्वारा ऑनलाइन माध्यम से किया गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साइंटिस्ट-ई डॉ. नलिन श्रीवास्तव तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड के चीफ जनरल मैनेजर जसपाल सिंह औजला उपस्थित रहे। अतिथियों ने छात्रों को नवाचार आधारित सोच विकसित करने और उद्यमिता को जीवन कौशल के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित किया। संस्थान के वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल ने विद्यार्थियों को नौकरी लेने के बजाय नौकरी देने वाला बनने का संदेश दिया, जबकि निदेशक प्रो. देवेंद्र कुमार शर्मा ने इसे देश के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। कार्यक्रम के एसपीओसी अरविंद तिवारी के अनुसार बूटकैंप में 200 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जहां विभिन्न टीमों ने अपने नवाचारी विचार प्रस्तुत किए और शीर्ष 5 टीमों को प्रशंसा प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

भीषण गर्मी पड़ेगी, पारा 45 डिग्री पार जाएगा, किसानों को राहत

यूपी में आंधी-बारिश पर ब्रेक, 15 दिन मौसम साफ रहेगा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी। यूपी में एक हफ्ते से जारी आंधी-बारिश और ओलों के सिलसिले पर शुक्रवार से ब्रेक लगने जा रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक, पश्चिमी विक्षोभ अब कमजोर पड़ रहा है। इससे भयंकर गर्मी पड़ेगी। अगले 15 दिनों तक मौसम साफ रहेगा। बारिश नहीं होगी। पारा 10°C तक उछलकर 45°C के पार पहुंचेगा। 25 से 30 किमी. की रफ्तार से गर्म हवाएं चलेंगी। मौसम साफ होने से किसानों को राहत मिलेगी। क्योंकि, गेहूं की कटी पड़ी फसलें भीग गई थीं। तेज धूप होने से फसलें जल्दी सूखेंगी। इससे किसान जल्द से जल्द मड़ाई कर पाएंगे। फसलों के दाने काले पड़ने की आशंका कम होगी। इससे पहले, पिछले 48 घंटों में 50 से अधिक जिलों में तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश हुई। लखीमपुर खीरी में सबसे अधिक 15 मिमी. बारिश रिकॉर्ड की गई। बहराइच में 6 मिमी., कानपुर में 5.4 मिमी. और लखनऊ में 4.5 मिमी. बरसात हुई। जालौन सबसे गर्म रहा, यहां तापमान 32°C दर्ज किया गया। वहीं, बिजनौर में सबसे ठंडी रात रही, यहां पारा 11.5°C लुढ़क गया। बेमौसम बारिश से किसानों को भारी नुकसान हुआ। गेहूं की फसल बर्बाद हो गई। इसे लेकर सीएम योगी ने अधिकारियों को फील्ड में उतरने के निर्देश दिए थे। कहा था कि अफसर 24 घंटे के भीतर नुकसान का सर्वे करें और प्रभावित किसानों को जल्द से जल्द मुआवजा दिया जाए। किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

लखनऊ के आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया- आज से पश्चिमी विक्षोभ का असर खत्म हो जाएगा। इससे अगले 15 दिनों तक मौसम शुष्क बना रहेगा। कहीं बारिश की संभावना नहीं है। तापमान लगभग 10 डिग्री तक बढ़ सकता है। दिन में गर्मी और तेज धूप का असर फिर से महसूस होगा। रात में भी गर्मी का एहसास होगा।

पति की हत्या करके पत्नी ट्रेन के आगे कूदी

अयोध्या में 22 दिन के नवजात की भी मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या में 22 साल की पत्नी ने पति की हथौड़े से सिर कुचलकर हत्या कर दी, फिर खुद ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। शिनाख्त के बाद गुरुवार रात साढ़े 8 बजे पुलिस महिला के सुसाइड की सूचना देने घर पहुंची। देखा कि दरवाजे पर ताला लटका हुआ था। पुलिस ताला तोड़कर अंदर गई, तो महिला के पति का शव फर्श पर खून से लथपथ पड़ा था। बगल में बेड पर 22 दिन का नवजात भूख-प्यास से तड़प रहा था। पुलिस ने मृतक के बड़े भाई को बच्चे को सौंप दिया। परिवार ने दूध पिलाकर बच्चे को सुला दिया। शुक्रवार सुबह उसकी भी मौत हो गई। घटना रौनाही क्षेत्र की है। 25 साल का शिवानंद राव कंस्ट्रक्शन साइटों पर मजदूर सप्लाई का ठेका लेता था। कैटरिंग का काम भी करता था। उसकी एक साल पहले संजू से शादी हुई थी। पुलिस के मुताबिक, गुरुवार शाम करेरू गांव से 1 किलोमीटर दूर देवराकोट रेलवे फाटक के पास एक राहगीर ने रेलवे ट्रैक पर महिला की लाश देखी। लाश कई हिस्सों में कटी हुई थी। राहगीर ने पुलिस को सूचना दी। जीआरपी और रौनाही थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। लाश के पास पुलिस को टूटा हुआ मोबाइल मिला। मोबाइल में लगे सिम को निकालकर पुलिसवालों ने रिश्तेदार को कॉल किया। रिश्तेदार ने महिला की पहचान शिवानंद की पत्नी संजू के रूप में की।

सड़क चौड़ीकरण के बाद भी नहीं हटे बिजली के खंभे

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। सूरतगंज क्षेत्र के अन्दीपुर चौराहे से दशहरा मैदान तक जाने वाली सड़क का करीब एक वर्ष पूर्व चौड़ीकरण कार्य कराया गया था, ताकि क्षेत्र के लोगों को बेहतर और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके। लेकिन सड़क निर्माण के बाद भी विभागीय लापरवाही के चलते यह मार्ग आज भी पूरी तरह सुरक्षित नहीं हो सका है। सड़क चौड़ी होने के बावजूद मार्ग के संपर्कों और किनारों पर पुराने बिजली के खंभे अब भी खड़े हैं। जानकारी के अनुसार, बिजली विभाग द्वारा नए विद्युत पोल तो सड़क से दूर स्थापित कर दिए गए हैं, लेकिन पुराने खंभों को हटाने की प्रक्रिया आज तक पूरी नहीं की गई है। हैरानी की बात यह है कि इन पुराने खंभों पर अब भी विद्युत सप्लाई जारी है, जो किसी बड़े हादसे को दावत दे रही है। स्थानीय ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अरविन्द कुमार बारी, मनीष , ड्रा० दिलीप , नीरज यादव , राकेश आदि लोगों का कहना है कि यह सड़क क्षेत्र की प्रमुख मार्गों में से एक है, जहां से प्रतिदिन सैकड़ों वाहन और राहगीर गुजरते हैं। सड़क के संपर्कों में खंभों के होने से वाहन चालकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। खासकर रात के समय दुर्घटना की आशंका और अधिक बढ़ जाती है। ग्रामीणों और राहगीरों ने कई बार संबंधित विभागों से इन खंभों को हटाने की मांग की, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इन खतरनाक खंभों को नहीं हटाया गया तो कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

क्षेत्रीय लोगों ने जिला प्रशासन और बिजली विभाग से जल्द से जल्द पुराने खंभों को हटाकर सड़क को पूरी तरह सुरक्षित बनाने की मांग की है, ताकि आम जनता को राहत मिल सके और किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके। इस सम्बन्ध में ठेकेदार विनोद चतुर्वेदी से फोन पर संपर्क किया गया तो कॉल नहीं उठाया जबकि जेई शैलेंद्र कुमार यादव ने बताया कि यह समस्या आज की नहीं है कही महीनों से यह समस्या जस की तस बनी हुई सिर्फ खंभे गाड़ कर ठेकेदारों द्वारा पल्ला झाड़ लिया गया आगे का कोई कार्य नहीं किया गया है।

कार्यालय नगरपालिका परिषद अकबरपुर-अम्बेडकरनगर

पत्रांक- 216 / न०पा०परि०अ०/2025-26 दिनांक- 09-04-2026

नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद अकबरपुर अम्बेडकरनगर के निष्प्रयोज्य सामाग्री सार्वजनिक नीलामी दिनांक 21.04.2026 को अपरान्ह 02:00 बजे किया जायेगा।

इच्छुक व्यक्ति जो नीलामी में भाग लेना चाहता है, वह कार्यालय में किसी कार्य दिवस में सम्पर्क कर एकत्रित निष्प्रयोज्य सामग्री को देखकर नीलामी में भाग लेने से एक दिन पूर्व अथवा नीलामी दिवस के समय 12:00 बजे तक रू०-50000.00 (मु० पचास हजार रूपये मात्र) जमानत के रूप में नकद जमा कर नीलामी में भाग लेने की अनुमति प्राप्त कर सकता है।

नीलामी की शर्ते

1- नीलामी में भाग लेने हेतु इच्छुक व्यक्ति को आधार कार्ड एवं पैन कार्ड की स्वप्रमाणित छायाप्रति जमा करना अनिवार्य होगा।

2- नीलामी स्वीकृत होने के उपरान्त नीलामी की समस्त धनराशि को तत्काल नकद जमा करना अनिवार्य होगा।

3- नीलाम हुए निष्प्रयोज्य सामग्रियों को 03 (तीन) दिवस के अन्दर ले जाना अनिवार्य होगा।

4- नीलामी की बोली को स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी में निहित होगा

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका परिषद,
अकबरपुर अम्बेडकरनगर

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद,
अकबरपुर अम्बेडकरनगर

तीन की मौत, निर्माणाधीन पुल के पास सो रहे थे, साथियों ने फावड़े से रेस्क्यू किया

5 मजदूरों पर बजरी से भरा ट्रक पलटा

- साथी मजदूरों से फावड़े से बजरी हटाकर घायलों को बाहर निकाला।
- दो मजदूरों की हालत गंभीर बनी हुई है। उनका इलाज किया जा रहा है।

हादसा

तमसा संकेत एजेंसी

सहारनपुर। सहारनपुर में सड़क किनारे टीन लगाकर सो रहे 5 मजदूरों पर बजरी से भरा ट्रक पलट गया। इससे तीन मजदूरों की दबकर मौत हो गई। दबे मजदूरों की चीखें सुनकर उनके साथी मौके पर पहुंचे। पुलिस को सचूना दी। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। करीब 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सभी पांच मजदूरों को बजरी के नीचे से बाहर निकाल लिया गया। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां तीन को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। जबकि 2

घायलों को भर्ती कर लिया गया। मजदूर एक पुल के निर्माण कार्य में लगे हुए थे। हादसा गुरुवार रात करीब 3 बजे थाना नागल में हुआ। बजरी के नीचे दबे मजदूरों की आवाजें सुनाई दीं तो उन्हें निकालने का प्रयास शुरू कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। रेस्क्यू कर 2

सड़क किनारे टीन लगा कर सो रहे थे

थाना मिर्जापुर क्षेत्र के गांव महमूदपुर निवासी असगर, इस्तकार, शौकीन, गुलफाम, और कर्मवीर मजदूर हैं। सहारनपुर-झबरेहड़ा मार्ग पर पुल बन रहा है। ये सभी लोग इसी पुल के निर्माण कार्य में लगे हुए थे। गुरुवार रात मजदूर निर्माणाधीन पुल के पास सड़क किनारे टीन लगाकर सो रहे थे। रात करीब 2 बजे गांव खेडा मुगल की ओर एक ट्रक बजरी लेकर जा रहा था। इसी दौरान ट्रक का संतुलन बिगड़ गया और वह टीन के अंदर सो रहे मजदूरों के ऊपर पलट गया। हादसे के बाद तेज आवाज सुनकर आसपास मौजूद अन्य मजदूर मौके पर पहुंचे।

घंटे बाद सभी पांच मजदूरों को बजरी के नीचे से बाहर निकाला। उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल भेजा गया। जहां डॉक्टरों ने असगर, इस्तकार और शौकीन को मृत घोषित कर दिया। वहीं गुलफाम और कर्मवीर का इलाज किया गया। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, सभी मजदूर एक पुल निर्माण परियोजना में कार्यरत थे और अस्थायी रूप से सड़क किनारे रह रहे थे। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल रहा। पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक आशंका है कि ट्रक चालक का संतुलन बिगड़ने या तेज रफ्तार के कारण यह दुर्घटना हुई।फिल-हाल, इस हादसे ने एक बार फिर निर्माण स्थलों पर मजदूरों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

चीखों ने जगाया आसपास के लोगों को

हादसे के बाद बजरी के नीचे दबे मजदूरों की चीख-पुकार सुनकर उनके साथी और आसपास के लोग मौके पर दौड़ पड़े। स्थानीय लोगों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया और पुलिस को सूचना दी।

2 घंटे चला रेस्क्यू ऑपरेशन

सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सभी पांच मजदूरों को बजरी के नीचे से बाहर निकाला गया। वहीं गुलफाम और कर्मवीर का अस्पताल में इलाज जारी है।

संभल का हैंडीक्राफ्ट कारोबारी नकली नोटों के साथ गिरफ्तार

एटीएस मुरादाबाद ने संभल में 20,000 के जाली नोट पकड़े

तमसा संकेत एजेंसी

संभल। संभल पुलिस और एटीएस मुरादाबाद ने एक संयुक्त अभियान में एक हैंडीक्राफ्ट कारोबारी को 20,000 के नकली नोटों के साथ गिरफ्तार किया है। इस मामले का खुलासा शुक्रवार दोपहर को एएसपी उत्तरी कुलदीप सिंह और सीओ बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार ने किया। यह कार्रवाई संभल जिले के थाना हयातनगर क्षेत्र के सरायतरीन कस्बे के कच्चा बाजार में हुई। मुरादाबाद एटीएस और थाना पुलिस ने आठ स्थानों पर छापेमारी कर पन्नीग्राम सरायतरीन निवासी शराफत हुसैन पुत्र शहादत हुसैन को पकड़ा। गिरफ्तार अभियुक्त के पास से 500 के 35 नोट, 200 के 6 नोट और 100 के 13 नोट बरामद किए गए। बरामद किए गए कुल नकली नोटों का मूल्य 20,000 है। एएसपी कुलदीप सिंह ने बताया कि एटीएस

मुरादाबाद को संभल में जाली नोटों की आपूर्ति के संबंध में एक गुप्त सूचना मिली थी। इसी सूचना के आधार पर एटीएस और थाना हयातनगर की टीम ने यह ऑपरेशन चलाया। एएसपी ने आगे बताया कि पूछताछ में मिली जानकारी को विकसित किया जाएगा और अभियुक्त को रिमांड पर लेकर इस गिरोह की आगे की कड़ी का पता लगाया जाएगा। दोनों टीमें इस पर काम कर रही हैं। आतंकवादी गतिविधि की संभावना के सवाल पर एएसपी ने कहा कि एटीएस और स्थानीय पुलिस की टीमें सभी पहलुओं पर जांच कर रही हैं।

फास्ट न्यूज

यमुना पुल पर निर्माणाधीन गेट की बीम ढहा

जालौन। जालौन-औरैया स्टेट हाईवे पर स्थित सनगढ़ के पास यमुना नदी के पुल पर निर्माणाधीन गेट की बीम अचानक ढह गया। जिससे वहां काम कर रहे 6 मजदूर घायल हो गए। जिसमें 5 मजदूरों की हालत गंभीर है। घायलों को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। घायलों में सुनील, रूप सिंह, गोविंद, रवि, हीरो शामिल है।

हर्षित मौत मामले में तीनों दोस्तों पर हत्या की एफआईआर

नोएडा। नोएडा में एमिटी यूनिवर्सिटी के 23 साल के छात्र हर्षित भट्ट की पानी से भरे गड्ढे में डूबने से मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर थाना सेक्टर-126 थाने में तीनों दोस्तों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। हर्षित की मां ने पुलिस से कहा- मेरा बेटा तैरना जानता था। वो गड्ढे में डूब ही नहीं सकता। उसकी हत्या की गई है। मैं उसके दोस्तों को नहीं जानती, कौन कैसा है।

इंस्टाग्राम पर भद्दे कमेंट का खौफनाक अंत

बरेली। यूपी के बरेली में सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी करना एक युवक के लिए जानलेवा साबित हुआ। इंस्टाग्राम पर भद्दे कमेंट करने से नाराज एक युवक ने अपने ही दोस्त की बेरहमी से हत्या कर दी। पुलिस ने घटना के महज 36 घंटे के भीतर मामले का अनावरण करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान जखीरा निवासी समद मूसा के रूप में हुई है।

सीएसआरवी विद्या आश्रम में प्रतिभा सम्मान समारोह

सफल युवाओं से छात्रों ने सीखे सफलता के मंत्र

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा, चौमुहाँ। क्षेत्र के सीएस-आरवी विद्या आश्रम में प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न सरकारी सेवाओं में चयनित होकर क्षेत्र का नाम रोशन करने वाले युवाओं का गर्मजोशी से स्वागत और अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं ने सफल अभ्यर्थियों से करियर की बारीकियों को समझा और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान पाया। समारोह में मुख्य रूप से पीसीएस परीक्षा उत्तीर्ण कर असिस्टेंट कमिश्नर बनीं जैत निवासी अनुराधा, तहसीलदार पद पर चयनित राल निवासी वरुण कुमार, सचिवालय में असिस्टेंट सेक्शन ऑफिसर बने धनगांव निवासी पारस, नायब तहसीलदार के पद पर चयनित जमालपुर निवासी मनीष कुमार तथा ड्रग इंस्पेक्टर तेजपाल सिंह का जोरदार स्वागत किया गया। आयोजकों ने सभी सफल अभ्यर्थियों को बांके बिहारी की प्रतिमा भेंट कर माला व साफा पहनाकर सम्मानित किया। सफल अभ्यर्थियों ने छात्र-छात्राओं के साथ अपने अनुभव साझा किए। अनुराधा ने कहा कि लक्ष्य ऊंचा रखें और उसे पाने के लिए मेहनत में कोई कमी न छोड़ें। वहीं वरुण कुमार ने असफलता से सीख लेने को सफलता की कुंजी बताया। मनीष कुमार और पारस ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के टिप्स साझा करते हुए अनुशासित अध्ययन पर जोर दिया। इस दौरान छात्राओं ने करियर और भविष्य की चुनौतियों को लेकर कई प्रश्न किए, जिनका विशेषज्ञों ने विस्तार से उत्तर दिया। आयोजक गिर्राज सिंह ने कहा कि ग्रामीण परिवेश की प्रतिभाएं आज ऊंचे मुकाम हासिल कर रही हैं।

4 हॉस्पिटल सीज, 10 अस्पतालों को नोटिस

किडनी कांड के बाद स्वास्थ्य विभाग की रेड, संचालक ताला लगाकर भागे

- मोहित मेडिकल सेंटर में ड्यूटी पर डॉक्टर और स्टाफ नहीं मिला, जिस पर नोटिस दिया गया।

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में किडनी केस सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग लगातार सख्त कार्रवाई कर रहा है। एसीएमओ डॉ. रमित रस्तोगी के नेतृत्व में टीम ने कल्याणपुर क्षेत्र के करीब 13-15 हॉस्पिटल में छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान चार हॉस्पिटल को सीज कर दिया गया, जबकि अन्य को नोटिस जारी किए गए। कार्रवाई की सूचना मिलते ही कई हॉस्पिटल संचालक बोर्ड हटाकर ताला लगाकर भाग गए। इससे विभाग को कई जगह बंद अस्पताल मिले। राम जानकी हॉस्पिटल और मां दुर्गा हॉस्पिटल में व्यवस्थाएं संतोष-जनक मिलीं, लेकिन साफ-सफाई को लेकर सख्त हिदायत दी गई।

बिना रजिस्ट्रेशन चल रहे अस्पताल सीज

स्वास्थ्य विभाग की टीम सबसे पहले अनुष्का प्रांजुल हॉस्पिटल पहुंची। यहां बिना अनुमति के ICU और NICU संचालित होते मिले। इस पर तुरंत नोटिस जारी करते हुए ICU-NICU बंद कराने के निर्देश दिए गए। साथी ही ऑपरेशन थिएटर (OT) को भी सील कर दिया गया। दिव्य हॉस्पिटल और रिलैक्स हॉस्पिटल में बिना रजिस्ट्रेशन के संचालन पाया गया। दोनों अस्पतालों को तत्काल प्रभाव से सीज कर दिया गया। वहीं, एमएस हॉस्पिटल का संचालक टीम के पहुंचने से पहले ही ताला लगाकर फरार हो गया।

> एसीएमओ डॉ. रमित रस्तोगी ने कहा- अवैध अस्पतालों पर कार्रवाई जारी रहेगी। सोमवार को फिर से अभियान चलाया जाएगा। बिना रजिस्ट्रेशन और बिना अनुमति के चल रहे अस्पतालों को सीज किया जाएगा।

4 अस्पतालों को सीज किया गया।

कहीं डॉक्टर नहीं, कहीं गंदगी मिली

मोहित मेडिकल सेंटर और केडीएम हॉस्पिटल में ड्यूटी पर डॉक्टर और प्रशिक्षित स्टाफ नहीं मिला, जिस पर नोटिस दिया गया। शिव हॉस्पिटल में बायोमेडिकल वेस्ट का रजिस्ट्रेशन एक्सपायर मिला।

श्रावस्ती में अग्निकांड रोकथाम को लेकर डीएम सख्त

श्रावस्ती। श्रावस्ती में हाल ही में गेहूं की खड़ी फसलों और फूस के मकानों में आग लगने की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय ने अग्निकांड पर प्रभावी नियंत्रण के लिए कड़े निर्देश जारी किए हैं। इस क्रम में उपजिलाधिकारी प्रवीण यादव को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। जिलाधिकारी ने बताया कि विद्युत तारों का ढीलापन, ट्रांसफार्मरों से निकलने वाली चिंगारी, फसल अवशेष जलाना और फूस के मकानों में चूल्हे की आग, अग्निदुर्घट-नाओं के प्रमुख कारण हैं। इन पर अंकुश लगाने के लिए विद्युत विभाग को तारों और ट्रांसफार्मरों का ऑडिट करने, तेज आंधी के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बंद करने तथा किसानों को जागरूक करने के निर्देश दिए गए हैं। ट्रांसफार्मरों के आसपास की फसल समय से पहले काटने और फूस की झोपड़ियों में चूल्हों के ऊपर टीन शेड या एजबेस्टस शीट लगाने के लिए प्रचार-प्रसार करने को कहा है।

कब्रिस्तान में बनी 18 मकान-दुकान तोड़े जाएंगे, कोर्ट ने खुद लगाई रोक को हटाया

संभल जामा मस्जिद के बगल 8 बीघे का कब्जा हटेगा

तमसा संकेत, एजेंसी

संभल। संभल की जामा मस्जिद से सटे कब्रिस्तान की जमीन पर बने अवैध निर्माण को तोड़ा जाएगा। सिविल कोर्ट ने प्रशासन की कार्रवाई पर लगे अपने ही स्टे को खारिज कर दिया है। अब तहसील कोर्ट से अंतिम निर्णय के बाद प्रशासन अवैध निर्माण को हटाने की कार्रवाई करेगा। यह पूरा विवाद कोतवाली क्षेत्र की करीब 8 बीघा कब्रिस्तान की जमीन को लेकर है। इसे लेकर डीएम को एक शिकायत मिली थी। जिसमें कहा गया था- कब्रिस्तान की इसी जमीन पर बने मकानों-दुकानों की छत से ही संभल हिंसा के दौरान सर्वे टीम और पुलिस पर पत्थरबाजी की गई थी। प्रशासन ने 30 दिसंबर, 2023 को जमीन की पैमाइश कराई थी। इसके खिलाफ कुछ लोग

इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंचे, लेकिन वहां से राहत नहीं मिली। फिर मामला वापस तहसील कोर्ट भेज दिया गया। प्रशासन के नोटिस के बाद कब्जेदारों ने सिविल कोर्ट में याचिका डाली की थी, जिस पर कोर्ट ने स्टे लगा दिया था। 9 मार्च को डीजीसी प्रिंस शर्मा अदालत में उपस्थित हुए और याचिका की प्रति प्राप्त की। इसके बाद 9 मार्च, 16 मार्च, 23 मार्च, 30 मार्च और 10 मार्च की डेंटें लगीं। 16 मार्च को हड़ताल के कारण कोई जिरह नहीं हो सकी।

> 18 में से सलमा रानी पत्नी- शहाबुद्दीन सहित कुल 15 अवैध कब्जेदारों ने जनवरी, 2026 में संभल सिविल कोर्ट में याचिका दायर की थी। इनमें प्रमुख 3 प्रतिवादी बनाए। जिनमें नगर पालिका परिषद संभल के अधिशासी अधिकारी, यूपी सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड के सीईओ और उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से डीएम और तहसीलदार शामिल थे। 15 में से चार ने बाद में अपनी याचिका वापस ले ली।

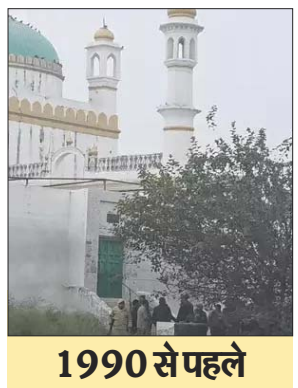

1990 से पहले कब्रिस्तान होने का दावा

12 दिसंबर, 2025 को जिलाधिकारी को शिकायत देते हुए सुभाष त्यागी (श्रीकल्कि सेना) ने दावा किया था कि 1990 से पहले यह पूरी जमीन कब्रिस्तान थी। बाद में इस पर अवैध निर्माण हुआ। उन्होंने दावा किया था, इन्हीं अवैध मकानों की छतों से संभल हिंसा के दौरान पुलिस पर पत्थर फेंके गए थे। इसके बाद एसडीएम के आदेश पर तहसी-लदार, नायब तहसीलदार और 26 कानूनगो-लेखपालों की एक टीम गठित की। 30 नवंबर, 2025 को जमीन की पैमाइश कराई गई थी।

दिव्य 'रासलीला' से नई पीढ़ी को जोड़ने का अभिनव प्रयास

ब्रज तीर्थ विकास परिषद की पहल से युवाओं में बढ़ी रासलीला मंचन की रुचि

तमसा संकेत, संवाददाता

वृंदावन। भगवान श्रीकृष्ण, राधा रानी एवं सखियों की द्वापर युग की दिव्य लीलाएं आज 'रासलीला' के रूप में विश्वभर में प्रसिद्ध हैं। ब्रजभूमि की इस प्राचीन सांस्कृतिक परंपरा को नई पीढ़ी से जोड़ने के लिए उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा अभिनव पहल की जा रही है। परिषद द्वारा संचालित 'गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी', वृंदावन के निदेशक प्रो. दिनेश खन्ना ने बताया कि रासलीला की यह परंपरा समय के साथ कुछ आश्रमों तक सीमित होती जा रही थी, जिसे पुनः जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से अकादमी द्वारा युवाओं को व्यवस्थित प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी क्रम में स्कूली एवं महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं को रासलीला मंचन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद युवा कलाकार विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं सांस्कृतिक मंचों पर प्रभावशाली प्रस्तुतियां दे रहे हैं। हाल ही में अलीगढ़ के मंगलायतन विश्वविद्यालय, आगरा के शारदा विश्वविद्यालय तथा दिल्ली के ब्रज कला केंद्र में अकादमी के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत रासलीलाओं को दर्शकों ने खूब सराहा। इसके साथ ही ब्रज क्षेत्र के ओपन एयर थिएटर और पांचजन्य सभागार में भी समय-समय पर मंचन आयोजित किए जा रहे हैं। प्रो. खन्ना ने बताया कि संस्कृति विश्वविद्यालय, मथुरा के साथ भी समझौता (एमओयू) किया गया है, जिसके अंतर्गत वहां के विद्यार्थियों को शीघ्र ही अभिनय कार्यशालाओं के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसी कड़ी में अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कॉलेज की छात्राओं को 1 जनवरी से 31 मार्च तक तीन माह का विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के उपरांत 12 अप्रैल को सायं 4 बजे महाविद्यालय के 'मातृ सभागार' में 'मुदरिया चोरी' रासलीला का भव्य मंचन किया जाएगा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनिल बाजपेई ने बताया कि यह प्रस्तुति पूर्णतः छात्राओं द्वारा दी जाएगी। रासलीला का निर्देशन प्रो. दिनेश खन्ना द्वारा किया गया है। जबकि संगीत प्रशिक्षण अकादमी के विशेषज्ञों ने प्रदान किया है। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षिका श्रीमती मांडवी राठौर एवं गीता शोध संस्थान के समन्वयक चंद्र प्रताप सिंह सिकरवार की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

पृष्ठ 01 का शेष...

एसआईआर के...

इसके बाद सरोजनीनगर में लगभग 47 हजार, उत्तर में करीब 36 हजार और बख्शी का तालाब में 34 हजार नए वोटर शामिल किए गए हैं। इसके अलावा पूर्व, मध्य, कैंट, मलिहाबाद और मोहनलाल-गंज में भी हजारों नए मतदाता जोड़े गए हैं। विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के दौरान निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची को शुद्ध और पारदर्शी बनाने के लिए कई स्तरों पर कार्य किया। इस प्रक्रिया में मृतक मतदाताओं के नाम हटाए गए, जो लोग शहर छोड़कर जा चुके थे उन्हें सूची से बाहर किया गया और डुप्लीकेट नामों की पहचान कर उन्हें हटाया गया। इसके साथ ही नए पात्र नागरिकों को जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया गया, जिसमें युवाओं और नए वोटर्स को जोड़ा गया। घर-घर सत्यापन, बूथ स्तर पर जांच, बीएलओ द्वारा फील्ड वेरिफिकेशन और दस्तावेजों की जांच जैसे कई चरणों से गुजरकर यह सूची तैयार की गई है।

39.94 लाख...

उत्तर विधानसभा में सबसे अधिक करीब 1.91 लाख वोटर सूची से हटाए गए हैं, जबकि कैंट सीट पर लगभग 40 प्रतिशत यानी करीब 1.40 लाख मतदाता कम हुए हैं। अन्य विधानसभा क्षेत्रों में भी हजारों की संख्या में नाम हटाए गए हैं, जिससे कुल मिलाकर लगभग 12 लाख मतदाता सूची से बाहर हुए हैं।

'सांप पर भी भरोसा...

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले टीएमसी और भाजपा के बीच जुबानी जंग काफी तेज हो गई है।

रैली के दौरान मुख्यमंत्री ने वोटर लिस्ट से नाम हटाए जाने का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान 90 लाख नाम हटा दिए गए हैं। एक अखबार की रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि इन 90 लाख नामों में से 60 लाख हिंदू और 30 लाख मुस्लिम हैं।

सूचना विभाग की...

बैठक में प्रदेश भर के कई वरिष्ठ और अनुभवी पत्रकारों ने भाग लिया। सभी ने अपने-अपने अनुभव साझा करते हुए मीडिया से जुड़े विभिन्न मुद्दों को सामने रखा। संवाद के दौरान खुलापन और पारदर्शिता देखने को मिली, जिससे पत्रकारों को अपनी बात रखने का पूरा अवसर मिला।

यह पहल निश्चित रूप से सूचना विभाग और प्रिंट मीडिया के बीच संबंधों को और अधिक सुदृढ़ करने में सहायक साबित होगी। संवाद के इस मंच ने दोनों पक्षों के बीच विश्वास और समझ को नई मजबूती प्रदान की है।

ममता भतीजे को...

BJP नेता लॉकेट चटर्जी ने कहा- TMC का एकमात्र मकसद मुसलमानों के वोटों को एकजुट करना है। वे केवल तुष्टीकरण की राजनीति करके ही चुनाव जीतते हैं। पश्चिम बंगाल में अल्पसंख्यक TMC पर भरोसा नहीं करते। वे TMC को वोट नहीं देंगे।

मोदी सरकार प्रयास कर रही है, लेकिन बंगाल सरकार बाड़ लगाने के लिए जमीन नहीं दे रही है। हम नदी-नालों की पेट्रोलिंग की वैज्ञानिक व्यवस्था करेंगे। सभी सरकारी पद परमानेंट कराने का काम करेंगे। यह सुनिश्चित करेंगे कि करोड़ों के घोटाले, जो पहले हुए हैं, वे न हों। पारदर्शिता के साथ युवाओं को नौकरी मिले, इसके लिए योजना बनाएंगे।

उन्होंने कहा कि भारत सरकार की जिन योजनाओं का ममता बनर्जी ने कबाड़ा किया है, उन्हें पुनर्जीवित करने का काम करेंगे। कोलकाता के विकास के लिए योजना लाएंगे, ताकि यह देश की सांस्कृतिक और औद्योगिक राजधानी बन सके। पुलिस बल समेत राज्य की सभी नौकरियों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देंगे। 75 लाख लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य है। हर मंडल में महिला थाना और महिला डेस्क बनाई जाएगी। हम ऐसे बंगाल का निर्माण करेंगे कि किसी मुख्यमंत्री को यह बयान न देना पड़े कि महिला को इतनी रात में बाहर निकलने की जरूरत क्या थी।

भाजपा बंगाल को...

और लोगों को तकलीफें उठानी पड़ी हैं। किसानों को भी परेशान होना पड़ा है। भारतीय जनता पार्टी बंगाल को घुसपैठियों से मुक्त कराना चाहती है, जबकि ममता बनर्जी उन्हें बचाना चाहती हैं। ममता दीदी, आप जो चाहें कर लें, हम हर घुसपैठिये की पहचान करेंगे और उन्हें बंगाल से बाहर निकाल देंगे।

भाजपा बंगाल को...

और लोगों को तकलीफें उठानी पड़ी हैं। किसानों को भी परेशान होना पड़ा है। भारतीय जनता पार्टी बंगाल को घुसपैठियों से मुक्त कराना चाहती है, जबकि ममता बनर्जी उन्हें बचाना चाहती हैं। ममता दीदी, आप जो चाहें कर लें, हम हर घुसपैठिये की पहचान करेंगे और उन्हें बंगाल से बाहर निकाल देंगे।

स्मार्टफोन पर 6...

4 से 6 घंटे तक स्मार्टफोन का उपयोग करना भी एक तरह की बीमारी है। उन्होंने कहा कि हृदय शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अंग है। किडनी खराब होने पर व्यक्ति डायलिसिस के सहारे जीवन जी सकता है, लेकिन यदि हृदय में ब्लॉकेज हो जाए तो यह जानलेवा साबित हो सकता है।

बीमारू भारत के...

सीएम योगी ने कहा- मैंने इस दिवाली से ठीक पहले खाद्य पदार्थ पर मिलावट के खिलाफ छापेमारी करने के निर्देश दिए थे। सुबह 4 से 6 बजे के करीब सुबह छापेमारी हुई तो हजारों किलो मिलावटी खोवा नष्ट किया गया। शादी और ब्याह के फंक्शन में जब जाते होंगे तो क्या गारंटी की कैसा खाना मिल रहा है।

समय से जागने की आदत डालें। देर रात तक स्मार्टफोन का उपयोग बंद कर दें। गरीब को हार्ट की बीमारी कम होती है क्योंकि वह मेहनत खूब करता है। अब ऐसी बीमारी से इलाज की दिशा में भी हम अहम कदम उठा सकते हैं।

हरिवंश राज्यसभा...

इधर, बिहार के CM नीतीश कुमार ने भी राज्यसभा सांसद की शपथ ली। हरिवंश को नीतीश कुमार का करीबी माना जाता था, लेकिन कुछ समय से दोनों के बीच दूरी नजर आई। बजट सत्र के दूसरे चरण के दौरान राज्यसभा में रिटायर हो रहे सांसदों का विदाई समारोह 18 मार्च को हुआ था। इस दौरान पीएम मोदी ने हरिवंश के लिए कहा था- हमारे उपसभापति हरिवंश विदा ले रहे हैं। हरिवंश को इस सदन में लंबे समय तक अपनी जिम्मेदारियों को निभाने का अवसर मिला।

यमुना में स्टीमर डूबा...

गोताखोर गुलाब ने बताया- करीब 15 लोगों को बाहर निकाल लिया है।

पर्यटक मनोहर लाल ने बताया- हम सभी जगराओं (लुधियाना) से आए हैं। तेज हवा चल रही थी। यमुना नदी के बीच में स्टीमर अचानक तेज हवा से डगमगाने लगा। स्पीड भी बढ़ गई। तभी स्टीमर पीपा पुल से टकराकर पलट गया।

मौसम विभाग की बेवसाइड स्काईमेट के अनुसार, वृंदावन में अभी 31 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल रही है।

पंजाब से आए मनोहर लाल ने बताया- हम लोग जगराओं (लुधियाना) से आए हैं। टूरिस्ट बस से आए थे। तेज हवा से स्टीमर पीपा पुल से टकरा गया। इस वजह से स्टीमर यमुना में पलट गया। मथुरा के डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने बताया- बहुत ही दुखद हादसा हुआ है। यह हादसा यमुना नदी में स्टीमर पलटने से हुआ है। सभी पर्यटक पंजाब से आए थे। अभी तक 6 लोगों की मौत हुई है। 16 से 17 लोगों को यमुना से सुरक्षित निकाल लिया गया है। बाकी की तलाश की जा रही है। एसडीआ-रएफ और एनडीआरएफ मौके पर मौजूद है। रेस्क्यू ऑपरेशन हम लोग चला रहे हैं।

भीड़ के चलते रेस्क्यू...

दुर्घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई है, जिससे बचाव कार्य में थोड़ी बाधा आ रही है। प्रशासन ने लोगों से शांत रहने और बचाव दल का सहयोग करने की अपील की है। स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

दिग्वेश के कैच पर विवाद, एलन आउट, पंत-पूरन स्लोअर बाउंसर पर आउट

मुकुल ने हेलिकॉप्टर शॉट पर सिक्स लगाया

शानदार

कोलकाता, एजेंसी

लखनऊ सुपर जायंट्स ने IPL 2026 के 15वें मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स को 3 विकेट से हराया। ईडन गार्डन्स में कई रोमांचक पल देखने को मिले। मुकुल चौधरी ने हेलिकॉप्टर शॉट पर सिक्स लगाया। दिग्वेश राठी के बाउंड्री कैच पर विवाद हुआ। वहीं स्लोअर बाउंसर पर ऋषभ पंत और निकोलस पूरन आउट हुए।

आठवें ओवर की पहली गेंद पर अजिंक्य रहाणे ने सिक्स लगाया।

आवेश खान की ऑफ स्टंप के बाहर गेंद पर रहाणे ने कट लगाने की कोशिश की, लेकिन शॉट खेलते वक्त उनके हाथ से बल्ला छूटकर स्क्वेयर लेग की ओर उड़ गया। इसके बावजूद गेंद बल्ले से कनेक्ट होकर डीप बैकवर्ड पॉइंट के ऊपर से सिक्स के लिए गई। 5वें ओवर की पहली बॉल पर वैभव अरोरा ने ऐडन मार्करम को रोवमन पॉवेल के हाथों कैच कराया। मार्करम 15 बॉल पर 22 रन बनाकर आउट हुए। वैभव ने तीसरी बॉल पर मिचेल मार्श को विकेटकीपर अंगकृष रघुवंशी के हाथों कैच कराया। मार्श 15 रन ही बना सके।

दिग्वेश के कैच पर विवाद, एलन आउट

लखनऊ के प्रिंस यादव ने अपने पहले ओवर में फिन एलन को आउट किया। 137.6 किमी/घंटा की बैक ऑफ लेंथ गेंद पर एलन ने बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले का ऊपरी किनारा लेकर थर्ड मैन की ओर गई। बाउंड्री लाइन के पास दिग्वेश सिंह राठी ने कैच पकड़ा। एलन 8 गेंदों में 9 रन बनाकर आउट हुए, जिसमें 2 चौके शामिल थे। हालांकि, इस विकेट पर विवाद हुआ। रिप्ले में दिग्वेश का पैर बाउंड्री के करीब नजर आया, लेकिन फील्ड अंपायर ने कैच को वैध मानते हुए एलन को आउट दिया।

शमी के डाइविंग कैच से रहाणे आउट

10वें ओवर में दिग्वेश सिंह राठी ने अजिंक्य रहाणे को आउट किया। ऑफ स्टंप के बाहर शॉर्ट गेंद पर रहाणे ने लेग साइड में शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन शॉट टाइम नहीं हुआ और गेंद मिडविकेट की ओर गई।

यहां मोहम्मद शमी ने आगे डाइव लगाकर शानदार लो कैच पकड़ा। कैच को लेकर थर्ड अंपायर ने जांच की, लेकिन रिप्ले में साफ दिखा कि गेंद सीधे शमी के हाथों में गई और उनकी उंगलियां गेंद के नीचे थीं। रहाणे 24 गेंदों में 41 रन बनाकर आउट हुए।

ऋषभ पंत 9 गेंदों में 10 रन बनाकर आउट हुए।

> 181 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही लखनऊ के मिचेल मार्श ने चौके से शुरुआत की। इम्पैक्ट प्लेयर वैभव अरोरा की पहली गेंद पर मार्श ने बैकफुट पर जाकर कट शॉट खेला और गेंद पॉइंट के पार बाउंड्री तक पहुंची।

दिग्वेश राठी ने कोलकाता के खिलाफ की बेईमानी?

फिन एलन के कैच को लेकर गहराया विवाद

नई दिल्ली, एजेंसी

मुकुल चौधरी की तूफानी पारी के दम पर लखनऊ सुपर जायंट्स ने गुरुवार को कोलकाता नाइट राइडर्स को उसके ही घर में हरा दिया। ये मैच यूं तो मुकुल की पारी के लिए याद किया जा रहा है, लेकिन दिग्वेश राठी का एक कैच विवाद का विषय बना हुआ है। इसे लेकर कहा जा रहा है कि राठी ने यहां सच छुपा लिया। ये मामला मैच की शुरुआत का ही है। दूसरे ओवर की चौथी गेंद पर कोलकाता के बल्लेबाज फिन एलन ने एक बड़ा शॉट खेला। गेंद उनके बल्ले का ऊपरी किनार लेकर थर्डमैन पर गई। वहां खड़े थे राठी। राठी ने भागकर ठीक बाउंड्री के पास कैच लपक लिया। फिन एलन यहां आउट हो गए। उन्होंने नौ रन बनाए।

अब विवाद की जड़ राठी का कैच इसलिए बन गया है क्योंकि रिप्ले में ऐसा लग रहा कि उनका पैर हल्का सा बाउंड्री से टच हो गया। मामला थोड़ा कन्फ्यूजिंग था तो तीसरे अंपायर की मदद ली गई। कई एंगल्स से देखने के बाद तीसरे अंपायर ने इसे आउट दे दिया, लेकिन कई बार देखने पर लग रहा था कि राठी का पैर हल्का से कहीं बाउंड्री से टच हुआ है। कमेंट्री कर रहे आकाश चोपड़ा ने भी इस पर सवाल उठाए हैं और कहा जा रहा है कि इस मामले में राठी को ईमानदारी दिखानी चाहिए थी क्योंकि अगर पैर टच हुआ है तो उन्हें पता होगा और उन्हें इस बारे में बता देना चाहिए था। इसी कैच को लेकर विवाद खड़ा हो गया। सोशल मीडिया पर राठी से लेकर तीसरे अंपायर और लखनऊ की जीत पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

युवाओं को 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम से फायदा : प्रभसिमरन

टीम इंडिया में एंट्री के लिए ज्यादा मेहनत करनी होगी

नई दिल्ली, एजेंसी

IPL में पंजाब किंग्स (PBKS) के ओपनिंग बैटर प्रभसिमरन सिंह ने 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम का समर्थन किया है। जहां कई सीनियर प्लेयर्स इस नियम को खराब बता चुके हैं, वहीं 25 साल के प्रभसिमरन इसे युवाओं के लिए एक बड़े मौके के रूप में देखते हैं। उनका मानना है कि इस नियम की वजह से अब टीमें 250 से ज्यादा का स्कोर आसानी से बना रही हैं।

प्रभसिमरन ने कहा, ₹एक युवा खिलाड़ी के तौर पर मैं इसे मौका मानता हूं। मुझे IPL में आए 8 साल हो गए हैं, लेकिन शुरुआती 4 साल मुझे मौके नहीं मिले। मैं बाहर बैठकर सोचता था कि टीम में कैसे जगह बनाऊं। 'इम्पैक्ट प्लेयर' की

वजह से अब मौके बढ़ गए हैं। हालांकि कुछ लोग इसे पसंद नहीं करते, क्योंकि इससे जोखिम भरा क्रिकेट बढ़ गया है, लेकिन इससे बैटिंग में गहराई आती है।₹

पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर की तारीफ करते हुए प्रभसिमरन ने कहा कि अय्यर ने उन्हें 'सीनियर प्लेयर' जैसा सम्मान दिया है। वे खिलाड़ियों को फ्रीडम देते हैं। अगर आप फ्लॉप भी हों, तो वे पास आकर तनाव दूर करते हैं। कोच और कप्तान की ओर से साफ मैसेज है कि पावरप्ले में अटैकिंग खेलना है। अब 170-180 का जमाना गया, अब नजरें 250+ स्कोर पर रहती हैं। टीम इंडिया में जगह बनाने को लेकर उन्होंने कहा, ₹कॉम्पिटशन बहुत ज्यादा है। सिर्फ अच्छा करना काफी नहीं है, आपको कुछ 'एक्स्ट्रा' करना होगा। मेरे पंजाब के साथी अभिषेक शर्मा भारतीय टीम में खेल रहे हैं, यह मेरे लिए मोटिवेशन है। जब भी मेरा चयन नहीं होता, मैं समझ जाता हूं कि मेरी मेहनत अभी कम है और मुझे और बेहतर करना है।

प्रभसिमरन ने बताया कि वे खुद को टीम के लीडरशिप ग्रुप का हिस्सा मानते हैं। उन्होंने कहा, ₹विकेट के पीछे से मैच का सबसे अच्छा व्यू मिलता है।

बाबर आजम बने किंग, क्रिस गेल और विराट कोहली भी छूटे पीछे

नई दिल्ली। पाकिस्तान के बल्लेबाज बाबर आजम ने टी20 क्रिकेट में बड़ा काम कर दिया है। बाबर इस समय पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में खेल रहे हैं। लीग में गुरुवार को बाबर ने कराची किंग्स के खिलाफ खेलते हुए शानदार पारी खेली और अपनी टीम पेशावर जल्मी को जीत दिलाई। इस दौरान उन्होंने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। बाबर ने कराची के खिलाफ 51 गेंदों पर 10 चौके और दो छक्कों की मदद से नाबाद 87 रनों की पारी खेली। उनके अलावा कुसल मेंडिस न 52 गेंदों पर 14 चौके और चार छक्कों की मदद से 109 रन बनाए। पेशावर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट खोकर 246 रन बनाए थे। इस स्कोर के सामने कराची की टीम महज 87 रनों पर ढेर हो गई।

अपनी पारी के दौरान बाबर ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उन्होंने टी20 क्रिकेट में अपने 12,000 रन पूरे कर लिए हैं।

दिव्या देशमुख और प्रज्ञानानंदा हारे, टूर्नामेंट के 4 राउंड बाकी

चेस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट: वैशाली ड्रॉ के साथ टॉप पर पहुंचीं

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय ग्रैंडमास्टर वैशाली रमेशबाबू ने FIDE चेस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के विमेंस कैटेगरी के 10वें राउंड में यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक के खिलाफ ड्रॉ खेला। इस ड्रॉ से मिले आधे पॉइंट्स के साथ वैशाली टॉप पर पहुंच गईं। दूसरी ओर, भारतीय ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख को रूस की अलेक्जेंड्रा गोर्याचकिना के खिलाफ हार झेलनी पड़ी।

ओपन कैटेगरी में भारत के ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा को उज्बेक के जावोखिर सिंदारोव के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। प्रज्ञानानंदा इस हार के बाद 7वें नंबर पर खिसक गए। टूर्नामेंट साइप्रस के पाफोस में खेला जा रहा है। अभी चार राउंड बाकी हैं।

10वें राउंड में वैशाली को खास परेशानी नहीं हुई और खेल बिना उतार-चढ़ाव के ड्रॉ रहा। झू जिनेर को बिबिसारा असाउबायेवा के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा, जिससे वैशाली को बढ़त मिली। टूर्नामेंट बेहद रोमांचक बना हुआ है। टॉप-6 खिलाड़ियों के बीच 1 पॉइंट का अंतर है। झू जिनेर और अन्ना मुजिचुक 5.5 अंकों के साथ वैशाली से आधा अंक पीछे हैं। 11वें राउंड में वैशाली का मुकाबला गोरियाच-किना से होगा, जबकि दिव्या झू जिनेर के खिलाफ खेलेंगी।

पिछली बार भारत के डी गुकेश ने इसे जीतकर चीन के डिंग लिरेन को चुनौती दी थी। तब गुकेश कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने वाले भारत के दूसरे खिलाड़ी बने थे। 5 बार के वर्ल्ड चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने 1995 में पहली बार कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीता था।

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट शतरंज की दुनिया का सबसे अहम इवेंट माना जाता है, क्योंकि यही तय करता है कि वर्ल्ड चैंपियन को अगला चैलेंजर कौन होगा। इसे वर्ल्ड चैंपियनशिप का सेमीफाइनल भी कहा जाता है।

कैसे होता है टूर्नामेंट?

- इसमें दुनिया के टॉप 8 खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं।
- सभी खिलाड़ी एक-दूसरे से 2 बार (राउंड-रॉबिन फॉर्मेट) खेलते हैं।
- कुल 14 राउंड होते हैं।
- हर जीत पर 1 अंक, ड्रॉ पर 0.5 अंक मिलता है।
- सबसे ज्यादा पॉइंट्स वाला खिलाड़ी विजेता बनता है।

मनोरंजन

विक्की की 'महावतार' को मिल गई हीरोइन

800 करोड़ी फिल्म की एक्ट्रेस करेंगी दीपिका को रिप्लेस?

नई दिल्ली। बॉलीवुड की मोस्ट एंटीसिपेटेड फिल्म महावतार (Mahavatar) का इंतजार फैंस सालों से कर रहे हैं। यह फिल्म पहले 2026 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन इसे पोस्टपोन कर दिया गया। हालांकि, मेकर्स मूवी पर काम कर रहे हैं।

परशुराम पर आधारित इस फिल्म का निर्माण मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले किया जा रहा है। फिल्म में परशुराम की भूमिका विक्की कौशल (Vicky Kaushal) निभाने वाले हैं। इस फिल्म में फीमेल एक्ट्रेस की

कास्टिंग को लेकर थोड़ा सस्पेंस बना हुआ है। पहले कहा जा रहा है कि दीपिका पादुकोण (Deepika Padukone) अमर कौशिक निर्देशित महावतार में मुख्य भूमिका निभाएंगी। अब एक लेटेस्ट रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि दीपिका को एक 800 करोड़ी फिल्म की एक्ट्रेस ने रिप्लेस कर दिया है। मिड-डे की रिपोर्ट की मानें तो विक्की कौशल की माइथोलॉजिकल फिल्म में जिस हीरोइन ने दीपिका पादुकोण को रिप्लेस किया है, वो मैडॉक फिल्म्स की 'स्त्री' हैं यानी कि श्रद्धा कपूर (Shraddha Kapoor)। कहा जा रहा है कि मेकर्स और डायरेक्टर की फिल्म को लेकर श्रद्धा से बातचीत चल रही है।

अमिताभ बच्चन पर किए जोक से भड़के एजाज खान, समय रैना को दे डाली धमकी

'मुझे दिख मत जाना'

> एजाज ने बताया कि बिग बी इस मजाक से नाराज हैं और उन्होंने गुस्से भरे लहजे में कहा कि बेटा, तू थोड़ा इज्जत से चल। मुझे दिख मत जाना तू। इसके अलावा समय ने बताया कि उन्होंने शो पर कई सारी बातें झूठ बोली थीं।

नई दिल्ली, एजेंसी

इंडियाज गॉट लेटेंट विवाद के करीब 14 महीने बाद समय रैना ने एक बार फिर से वापसी की। कॉमेडियन ने समय रैना स्टिल अलाइव के जरिए जोरदार वापसी की। यह वीडियो आते ही यूट्यूब पर वायरल हो गया। इसने पहले 24 घंटे में ही रिकॉर्ड व्यूज हासिल किए। इस दौरान रोस्ट करते हुए समय रैना ने अमिताभ बच्चन का भी नाम लेकर कई बातें बोली थीं जिसे लेकर एजाज खान ने उन्हें फटकार लगाई है। अब इस पर एजाज खान ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। एजाज ने मीडिया से बातचीत में कहा- 'अब इस बदतमीज आदमी को मैं क्या बोलूं। ये अपने मां-

बाप से भी ऐसे ही बात करता होगा, शायद।'उन्होंने आगे कहा,'हिंदुस्तान के इतने बड़े महानायक, अमिताभ बच्चन साहब, जिन्होंने हिंदुस्तान को सदियों से एंटरटेन किया, आज उनको उनकी पत्नी (जया बच्चन) को और उनके बच्चे (अभिषेक बच्चन) को कोई भी आकर कुछ भी बोल जा रहा है। समय रैना, तेरा समय खराब शुरू हो गया है आज से। मुझे दिखना भी मत तू। मैं तो बच्चन साहब का बहुत बड़ा फैन हूं।'

समय रैना के मन में आए थे गलत विचार

अपने 'स्टिल अलाइव' शो के दौरान, समय ने खुलासा किया कि उन्होंने केबीसी में अभिषेक से जुड़ा एक सवाल अमिताभ से पूछने की योजना बनाई थी, लेकिन ऐसा वो कर नहीं पाए। कॉमेडियन ने स्वीकार किया कि उनके मन में अक्सर कई 'उल्टे-सीधे' विचार आते हैं, लेकिन वे उन्हें जुबान पर नहीं लाते। उन्होंने अपना जोक शेयर करते हुए बताया कि वो अमिताभ से पूछने वाले थे कि सर, आपने इतना पोलियो का विज्ञापन किया, फिर भी अपने बेटे को पांव पे क्यों नहीं खड़ा कर पाये।

'बनावटी क्लाइमैक्स भटकता मुद्दा'

मसाले डालकर कहानी में तड़का लगाना भूल गए मेकर्स

मुंबई। फिल्म का शीर्षक 'डकैत' है, तो डकैती होना लाजमी है। लेकिन यहां डकैती पारंपरिक अंदाज में नहीं होती है। न घोड़ों पर सवार डाकू हैं और न बैंक लूटने के दृश्य। यहां पर डकैती एक अस्पताल के इर्द-गिर्द रची गई है, जो मरीजों से मोटी फीस वसूलने और किडनी के अवैध धंधे में लिप्त है। यह आइडिया सुनने में रोचक लगता है, लेकिन पर्दे पर ठीक से साकार नहीं हो पाया है। बीच-बीच में कुछ दिलचस्प ट्विस्ट और टर्न जरूर आते हैं, लेकिन तब तक कहानी अपनी पकड़ खो चुकी होती है।

साल 2021 से शुरू होती है 'डकैत' की कहानी

कहानी का आरंभ साल 2021 से होता है। सजा काट रहा हरि (अदिवि शेष) जेल से फरार होना चाहता है। दरअसल, उसकी प्रेमिका सरस्वती (मृणाल ठाकुर) ने अपने भाई की हत्या के आरोप में उसके खिलाफ गवाही दी होती है। इसके बाद उसकी पिछली जिंदगी की परतें खुलती हैं। हरि निम्न जाति से है, जबकि सरस्वती उच्च जाति और संपन्न परिवार से ताल्लुक रखती है। वह एमबीबीएस की पढ़ाई की तैयारी कर रही होती है। जेल से बाहर आने में हरि की मदद 'इश्क' (अतुल कुलकर्णी) करता है। बाहर आकर हरि को पता चलता है कि सरस्वती अब शादीशुदा है और एक बच्ची की मां है। उसकी

जिंदगी तमाम परेशानियों से घिरी है। उसका पति दो महीने से अस्पताल में भर्ती है और किडनी ट्रांसप्लांट के लिए उसे लाखों रुपये चाहिए। पति घर को बैंक के पास गिरवी रख चुका है। हरि उसे उसी अस्पताल को लूटने में अपना साथ देने के लिए कहता है। हरि की योजना पैसा लूटकर विदेश भागने और सरस्वती को पुलिस के हवाले करने की होती है, लेकिन आगे कई सच्चाइयां सामने आती हैं, जो घटनाक्रम को नया मोड़ देती हैं। इनमें से कुछ घटनाक्रम चौंकाते भी हैं। मामले की जांच को लेकर महिला पुलिस अधिकारी (जैन मेरी खान) का अपने पुलिस अधिकारी पिता स्वामी (अनुराग कश्यप) से मदद मांगना हास्यास्पद लगता है। अगर जैन का पात्र कहानी का हिस्सा नहीं भी होता, तो कोई खास फर्क नहीं पड़ता। इंटरवल के बाद कहानी में कुछ रोचक मोड़ आते हैं, लेकिन धीमी रफ्तार के कारण वे फिल्म को रोमांचक नहीं बना पाते। हिंदी के साथ तेलुगु में शूट हुई इस फिल्म की अवधि बहुत ज्यादा है। एडिटर कोडाती पवन कल्याण इसे चुस्त संपादन से थोड़ा छोटा कर सकते थे। तकनीकी पक्ष की बात करें तो सिनेमेटोग्राफर धनुष भास्कर ने माहौल को सही तरीके से कैमरे में कैद किया है। हालांकि, गीत-संगीत ऐसा नहीं है जो सिनेमाघर से बाहर आने पर याद रहे। फिल्म के संवाद भी प्रभावी नहीं बन पाए हैं।

बनावटी है 'डकैत' का क्लाइमैक्स

फिल्म का क्लाइमैक्स भी काफी बनावटी लगता है। यह भले ही एक प्रेम कहानी है, लेकिन दर्शकों के साथ कहीं भी भावनात्मक जुड़ाव नहीं बना पाती। शेनिल देव निर्देशित इस फिल्म में कोरोना काल के बाद का दौर कहानी का अहम हिस्सा है, लेकिन लेखक ने आवश्यकतानुसार ही उसका उपयोग किया है।

कई मुद्दों को भुनाने के चक्कर में फंसी कहानी

शेनिल देव और अदिवि शेष द्वारा लिखित इस कहानी और स्क्रीनप्ले में जात-पात, ऊंच-नीच, एकतरफा प्यार और भ्रष्ट पुलिस जैसे कई मुद्दे शामिल हैं, लेकिन किसी भी मुद्दे को कहानी समुचित तरीके से स्थापित नहीं कर पाती है। इंटरवल से पहले की कहानी ज्यादातर फीकी और बिना रोमांच के आगे बढ़ती है। चाहे अदिवि शेष का जेल से भागना हो या डकैती वाला सीन, दोनों ही प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहते हैं। हरि और सरस्वती की प्रेम कहानी का आधार भी कमजोर है; उनका रिश्ता कैसे शुरू हुआ, यह स्पष्ट नहीं किया गया।

पाक की पंजाब विधानसभा में प्रस्ताव पेश, विधायक बोले- सेना प्रमुख को भी नॉमिनेट करें

ईरान जंग सीजफायर : पाकिस्तानी पीएम को नोबेल शांति की मांग

प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान की पंजाब असेंबली में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर और उपप्रधानमंत्री इशाक डार को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित करने का प्रस्ताव पेश किया गया है।

जियो न्यूज के मुताबिक PML-N के विधायक राणा मुहम्मद अरशद ने प्रस्ताव पेश किया। इसमें कहा गया है कि पाकिस्तान के नेताओं की मध्यस्थता से ही अमेरिका-ईरान के बीच 2 हफ्ते का सीजफायर हो पाया और इससे क्षेत्र

पाकिस्तानी PM शहबाज शरीफ भारत-पाकिस्तान जंग रुकवाने का क्रेडिट देते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प को नोबेल देने की मांग कर चुके हैं।

में शांति और स्थिरता का रास्ता तैयार हुआ। 8 अप्रैल को अमेरिका ने ईरान से सीजफायर का ऐलान किया था। ट्रम्प ने बताया था कि उन्होंने यह फैसला

> **प्रस्ताव में कहा गया कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ट्रम्प से बातचीत कर 2 हफ्ते का समय मांगा, ताकि कूटनीतिक प्रयासों को मौका मिल सके। अमेरिकी पक्ष ने इसे स्वीकार किया। उपप्रधानमंत्री इशाक डार ने अमेरिका और अन्य पक्षों से बातचीत लगातार जारी रखी और दोनों देशों को बातचीत की टेबल पर लाने में अहम भूमिका निभाई।**

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ आसिम मुनीर की अपील के बाद लिया था। ईरान ने भी इसकी पुष्टि की थी। जंग शुरू होने के 3 हफ्ते बाद 22 मार्च को पाकिस्तानी आर्मी चीफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने ट्रम्प और पीएम शहबाज शरीफ ने

पाकिस्तानी PM शहबाज शरीफ भारत-पाकिस्तान जंग रुकवाने का क्रेडिट देते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प को नोबेल देने की मांग कर चुके हैं।

पाकिस्तानी नेताओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहे जाने की मांग

प्रस्ताव में यह भी कहा गया कि मिडिल ईस्ट में बढ़ता तनाव वैश्विक शांति के लिए बड़ा खतरा बन सकता था और अंतरराष्ट्रीय संकट में बदल सकता था। ऐसे में पाकिस्तान के नेतृत्व की कूटनीतिक पहल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहा जाना चाहिए और उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया जाना चाहिए।

ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान से बात की। अगले ही दिन ट्रम्प ने ईरान के गैस प्लांट्स पर 5 दिन के लिए हमले रोक दिए।

29 मार्च को इस्लामाबाद में पाकिस्तान, सऊदी अरब, तुर्किये

दावा- अमेरिका ने पाकिस्तानी पीएम को जंग रोकने का पोस्ट भेजा

शहबाज शरीफ की एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर विवाद हो गया था। इस पोस्ट में उन्होंने अमेरिका से ईरान पर हमला न करने की समय सीमा बढ़ाने की अपील की थी। पोस्ट की एडिट हिस्ट्री में 'ड्राफ्ट- पाकिस्तानी PM का मैसेज' दिखने के बाद सोशल मीडिया पर इसे लेकर कई दावे किए जा रहे हैं। लोग सवाल उठा रहे हैं कि क्या यह मैसेज पहले से ही तैयार किया गया था। कुछ यूजर्स का कहना है कि यह मैसेज व्हाइट हाउस के निर्देश पर लिखा गया लगता है। वहीं, कुछ लोग यह भी कह रहे हैं कि ट्रम्प पाकिस्तान की नीतियों को प्रभावित कर रहे हैं और यह पाकिस्तानी प्रधानमंत्री की ओर से उनकी गुलामी करने जैसा है।

और मिस्र के विदेश मंत्रियों की मीटिंग हुई। इसकी अपडेट लेकर इशाक डार बीजिंग पहुंचे। उन्होंने चीनी विदेश मंत्री वांग यी को ब्रीफ किया। इशाक डार ने X पर तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा- मैं अपने भाइयों सऊदी अरब, तुर्किये और मिस्र के विदेश मंत्रियों का इस्लामाबाद में स्वागत करता हूं। हमारी बातचीत क्षेत्र में बदलती स्थिति, शांति और स्थिरता को आगे बढ़ाने पर केंद्रित है। इशाक डार ने X पर तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा- मैं अपने भाइयों सऊदी अरब, तुर्किये और मिस्र के विदेश मंत्रियों का इस्लामाबाद में स्वागत करता हूं। हमारी बातचीत क्षेत्र में बदलती स्थिति, शांति और स्थिरता को आगे बढ़ाने पर केंद्रित है।

फास्ट न्यूज

ताइवान की विपक्षी नेता से मिले शी जिनपिंग

बीजिंग। चीन और ताइवान संबंधों के बीच एक अहम कूटनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने शुक्रवार को बीजिंग में ताइवान की विपक्षी नेता चेंग ली-वुन से मुलाकात की। यह बैठक ऐसे समय हुई है जब अगले महीने डोनाल्ड ट्रंप की चीन यात्रा प्रस्तावित है। चेंग ली-वुन, ताइवान की प्रमुख विपक्षी पार्टी कुओमिनतांग की पहली अध्यक्ष हैं, जिन्होंने एक दशक में पहली बार पार्टी प्रतिनिधिमंडल के साथ चीन का दौरा किया है।

पश्चिम एशिया जंग का असर कम करने के लिए दक्षिण कोरिया लाएगा अतिरिक्त बजट

सियोल । पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और उससे उत्पन्न वैश्विक आर्थिक दबाव के बीच दक्षिण कोरिया की संसद शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण अतिरिक्त बजट विधेयक पर मतदान करने जा रही है। यह विधेयक बढ़ती तेल कीमतों के बोझ को कम करने और छोटे व्यवसायों व कमजोर परिवारों को संघर्ष के आर्थिक झटके से बचाने के लिए लाया गया है। सरकारी शुरुआती प्रस्ताव 26.2 ट्रिलियन वोन का था, लेकिन संसदीय समितियों की समीक्षा के बाद इसे बढ़ाकर लगभग 30 ट्रिलियन वोन (करीब 20.3 अरब डॉलर) कर दिया गया है।

परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में भारत की उपलब्धि

वॉशिंगटन । भारत ने परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। तमिलनाडु के कलपक्कम में स्थित 'प्रोटोटा-इप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर' (PFBR) ने सफलतापूर्वक काम करना शुरू कर दिया है। यह भारत के तीन चरणों वाले परमाणु कार्यक्रम के दूसरे चरण की महत्वपूर्ण शुरुआत है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने भारत के इस उपलब्धि की जमकर सराहना की है।

तैयारी : 10,000 से ज्यादा के ऑनलाइन-पेमेंट पर 1 घंटे का होल्ड

गलत ट्रांजैक्शन कैंसिल करने का मौका मिलेगा

मुंबई, एजेंसी

जल्द ही ऐसा हो सकता है कि आपका 10 हजार से ज्यादा का ऑनलाइन ट्रांजैक्शन तुरंत न हो। उसमें 1 घंटे की देरी हो सकती है। इससे ग्राहकों को गलत ट्रांजैक्शन रोकने या कैंसिल करने का मौका मिलेगा। देश में बढ़ते डिजिटल फ्रॉड को रोकने के लिए RBI ने ये प्रस्ताव रखा है। RBI का मानना है कि जालसाज अक्सर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाकर जल्दबाजी में पैसे ट्रांसफर करवाते हैं, यह देरी उस दबाव को खत्म करेगी। फिलहाल ज्यादातर डिजिटल ट्रांजैक्शन तुरंत होते हैं, जिससे यूजर को सोचने या गलती सुधारने का मौका नहीं मिलता। 70 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिए सुरक्षा और सख्त होगी। 50,000 रुपए से ज्यादा के ट्रांजैक्शन के लिए एक 'ट्रस्टेड पर्सन' (भरोसेमंद व्यक्ति) की मंजूरी जरूरी हो सकती है। यह

फ्रॉड के खिलाफ सुरक्षा की एक दूसरी लेयर की तरह काम करेगा।

अगर आप किसी ऐसे व्यक्ति या मर्चेंट को पैसे भेज रहे हैं, जिसे आप जानते हैं, तो आप उसे अपनी 'व्हाइटलिस्ट' में शामिल कर सकते हैं। व्हाइटलिस्टेड लोगों को पेमेंट करने पर यह 1 घंटे की देरी लागू नहीं होगी, जिससे नियमित लेन-देन में परेशानी नहीं आएगी। RBI ने एक 'किल स्विच' का सुझाव भी दिया है। अगर किसी ग्राहक को लगता है कि उसका अकाउंट हैक हो गया है या कोई गलत ट्रांजैक्शन हो रहा है, तो वह एक क्लिक से अपनी सभी डिजिटल पेमेंट सेवाओं को तुरंत बंद कर सकेगा।

सीजफायर के बीच यूएस को झटका

होर्मुज के ऊपर से ही गायब हो गया 1800 करोड़ का ड्रोन एमक्यू-4सी ट्राइटन

- अमेरिका का एमक्यू-4सी ट्राइटन ड्रोन होर्मुज स्ट्रेट से लापता
- यह घटना अमेरिका-ईरान युद्धविराम के दो दिन बाद हुई
- ड्रोन ने बेस लौटते समय इमरजेंसी अलर्ट भेजा, फिर गायब

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका-ईरान के बीच हुए सीजफायर के ठीक दो दिन बाद अमेरिका का निगरानी ड्रोन, MQ-4C ट्राइटन, होर्मुज स्ट्रेट से लापता हो गया है। यह अमेरिकी नौसेना का सबसे महंगा और अत्याधुनिक निगरानी ड्रोन है। जो तीन घंटे की निगरानी पूरी करने के बाद अपनी बेस पर लौटते वक्त रडार से ओझल हो गया। इस दौरान इसे ट्रैक किया गया और वह तेजी से ऊंचाई खोता हुआ दिखाई दिया, जिसके बाद वह गायब हो गया। दी वॉर जोन की रिपोर्ट के मुताबिक, उड़ान के दौरान इसने इमरजेंसी अलर्ट भी भेजा था।

बताते चलें कि ड्रोन के लापता होने की घटना अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम पर सहमति बनने के दो दिन बाद हुई है, जिसमें ईरान ने होर्मुज को जहाजरानी यातायात के लिए फिर से खोलने पर सहमति जताई थी।

अमेरिका के एमक्यू-4सी ट्राइटन को खाड़ी क्षेत्र के ऊपर अमेरिकी केंद्रीय कमान के क्षेत्र में तैनात किया गया है। यह परंपरागत विमानों के विपरीत, ट्राइटन महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर लंबे समय तक रणनीतिक निगरानी प्रदान करता है। इसे निरंतर और व्यापक समुद्री निगरानी के लिए डिजाइन किया गया है, और यह अक्सर पी-8ए पोसाइडन गश्ती विमानों के लिए उच्च-ऊंचाई पर निगरानी रखने वाले विमान के रूप में कार्य करता है। ट्राइटन एकमात्र स्वायत्त उच्च-ऊंचाई, लंबी अवधि तक उड़ान भरने वाला ड्रोन है, जो 50,000 फीट से अधिक की

> **अमेरिकी नौसेना का एक निगरानी ड्रोन, एमक्यू-4सी ट्राइटन की कीमत 200 मिलियन डॉलर (लगभग 1,800 करोड़ रुपये) है। यह ड्रोन अपनी उच्च-ऊंचाई और लंबी दूरी की क्षमताओं के लिए जाना जाता है। फिलहाल अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि ड्रोन तकनीकी खराबी के कारण दुर्घटनाग्रस्त हुआ है या इसे मार गिराया गया है।**

अपने बेस पर लौटते वक्त हुआ लापता

ऑनलाइन फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट, ड्रोन ने फारस की खाड़ी और होर्मुज स्ट्रेट की लगभग तीन घंटे की निगरानी पूरी की। इसके बाद ऐसा लग रहा था कि वह इटली के सिगोनेला नौसैनिक हवाई अड्डे पर अपने बेस पर लौट रहा था। ड्रोन ने ईरान की ओर थोड़ा सा मोड़ लिया और कोड 7700 (सामान्य आपातकाल के लिए) भेजकर नीचे उतरना शुरू कर दिया। यह ड्रोन लगभग 50,000 फीट की अपनी उड़ान ऊंचाई से तेजी से 10,000 फीट से नीचे उतर गया। इसके बाद ड्रोन ट्रैकिंग से गायब हो गया।

वॉट्सएप आपके प्राइवेट मैसेज पढ़ रहा

मस्क बोले- ये भरोसे लायक नहीं, टेलीग्राम सीईओ ने एन्क्रिप्शन फ्रॉड बताया, कोर्ट से हर्जाने की मांग

वॉशिंगटन, एजेंसी

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X के मालिक इलॉन मस्क और टेलीग्राम के CEO पावेल डुरोव ने वॉट्सएप की प्राइवेसी पर सवाल उठाए हैं। मस्क ने कहा कि वॉट्सएप पर भरोसा नहीं किया जा सकता। वहीं, डुरोव ने इसे इतिहास का सबसे बड़ा 'एन्क्रिप्शन' फ्रॉड बताया।

यह विवाद अमेरिका में वॉट्सएप के खिलाफ दायर एक नए क्लास एक्शन मुकदमे के बाद शुरू हुआ है। यह मुकदमा इसी साल जनवरी में ब्रायन वाई. शीराजी और निदा सैमसन नाम के दो यूजर्स ने कैलिफोर्निया के फेडरल कोर्ट में दायर किया गया था।

इसमें मेटा प्लेटफॉर्म्स और एक्सेंचर को पक्षकार बनाया गया है। याचिकाकर्ताओं ने ज्यूरी ट्रायल की मांग की है और कंपनी से हर्जाने की

एन्क्रिप्शन के बावजूद निजी मैसेज पढ़ रहा वॉट्सएप

याचिका में दावा किया गया है कि वॉट्सएप अपने यूजर्स के मैसेज को बीच में ही इंटरसेप्ट करता है। इसमें कहा गया है कि मेटा इन मैसेज को एक्सेंचर जैसी तीसरी पार्टियों के साथ शेयर कर रहा है। जबकि कंपनी दावा करती है कि उसके मैसेज 'एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड' हैं यानी भेजने वाले और पाने वाले के अलावा कोई तीसरा इन्हें नहीं पढ़ सकता।

> **इन गंभीर आरोपों पर मेटा के प्रवक्ता ने कहा कि मुकदमे में किए गए दावे पूरी तरह से झूठे और बेतुके हैं। वॉट्सएप पिछले एक दशक से सिग्नल प्रोटोकॉल का इस्तेमाल कर रहा है। आपके मैसेज भेजने वाले और पाने वाले के अलावा कोई और नहीं पढ़ सकता।**

अपील की है। इलॉन मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट करते हुए X चैट का इस्तेमाल करने की अपील की और दावा किया कि वहां 'असली प्राइवेसी' मिलती है।

वहीं, पावेल डुरोव ने कहा कि वॉट्सएप अरबों यूजर्स को गुमराह कर रहा है। टेलीग्राम ने कभी ऐसा नहीं किया और न ही कभी करेगा।

इलॉन मस्क और मार्क जुकरबर्ग के बीच विवाद कोई नया नहीं है। मस्क द्वारा ट्विटर (अब X) खरीदने के बाद जुकरबर्ग ने उसे टक्कर देने के लिए 'थ्रेड्स' लॉन्च किया था। 2025 में मस्क ने अपने AI चैटबॉट 'ग्रोक' को मेटा AI से बेहतर बताया था। जून 2023 में मस्क ने जुकरबर्ग को 'केज फाइट' की चुनौती भी दी थी, जिसके जवाब में जुकरबर्ग ने लोकेशन मांगी थी।

सरल शब्दों में कहें तो एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन एक ऐसी सुरक्षा तकनीक है जो आपके मैसेज को एक गुप्त कोड में बदल देती है, जिसे सिर्फ भेजने वाला और प्राप्त करने वाला ही पढ़ सकता है। इसके बीच में इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर, हैकर या यहां तक कि सर्विस देने वाली कंपनी (जैसे वॉट्सएप या मेटा) खुद भी आपके मैसेज, फोटो या कॉल को देख या सुन नहीं सकती।

चांदी आज 4855 बढ़कर 2.41 लाख पर पहुंची

सोना 368 महंगा होकर 1.50 लाख के पार

नई दिल्ली, एजेंसी

सोना-चांदी के दाम में शुक्रवार को तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, एक किलो चांदी 4,855 रुपए बढ़कर 2,41,013 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले 9 अप्रैल को कीमत 2,36,158 रुपए प्रति किलो थी।

वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 368 रुपए बढ़कर 1,50,305 रुपए पर पहुंच गया। इससे पहले गुरुवार को कीमत 1,49,937 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम थी।

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 17,110 रुपए और चांदी 10,593 रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.50 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं,

चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.41 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था। लेकिन, 28 फरवरी को अमेरिका और इजारइल की ईरान से जंग शुरू होने के बाद लगातार गिरावट देखी जा रही है। तब से 42 दिन में सोना 8,792 रुपए और चांदी 25,687 रुपए गिरी है। सरकार ने सोने-चांदी और प्लैटिनम के गहनों को 'फ्री' कैटेगरी से हटाकर 'रिस्ट्रिक्टेड' कैटेगरी में डाल दिया है।

दौरा : रक्षा से लेकर व्यापार तक, व्हाइट हाउस में भारत-अमेरिका की सार्थक वार्ता

अगले महीने भारत आएंगे अमेरिकी विदेश मंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी अमेरिका दौरे पर हैं। जहां व्हाइट हाउस में उनकी मुलाकात अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से हुई। दोनों ने द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की, विशेष रूप से व्यापार, महत्वपूर्ण खनिजों, रक्षा और क्वाड पर चर्चा की। बैठक के बाद घोषणा की गई कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो अगले महीने नई दिल्ली के दौरा करने वाले हैं।

भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने सोशल मीडिया X पर अपने पोस्ट में एक फोटो शेयर करते हुए लिखा, "व्हाइट हाउस में आपका स्वागत है विक्रम मिसरी, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ हुई सार्थक बैठक में हमारे द्विपक्षीय संबंधों खासतौर से व्यापार, अहम

विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने एफबीआई निदेशक काश पटेल से भी मुलाकात की, जिसमें दोनों पक्षों ने आतंकवाद, संगठित अपराध और मादक पदार्थों के खिलाफ सहयोग पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

खनिजों, रक्षा और क्वाड को लेकर चर्चा हुई। विदेश मंत्री रुबियो अगले महीने भारत आने को लेकर उत्सुक हैं। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर के साथ बैठक के बाद राजदूत गोर ने X पर पोस्ट कर कहा, "दक्षिण और मध्य एशिया में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने पर चर्चा करने के लिए अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि के साथ बहुत ही सार्थक बैठक हुई। भारत और अमेरिका पहले ही एक ट्रेड डील पर राजी हो चुके हैं, और हम इस महीने के आखिर में वॉशिंगटन में एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करने का इंतजार कर रहे हैं।" अमेरिकी विदेश उप सचिव एलिसन हूकर ने कहा कि हम क्वाड के माध्यम से अमेरिकियों और भारतीयों दोनों को अधिक सुरक्षित और समृद्ध बनाने के

भारत-अमेरिका वैश्विक रणनीतिक को मजबूत करने के लिए तत्पर

भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर के जवाब में, अमेरिका स्थित भारतीय दूतावास ने लिखा, अपनी मौजूदा यात्रा के दौरान, विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने आज विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मुलाकात की। हम इन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अपने सहयोग को और गहरा करने और भारत-अमेरिका की व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए तत्पर हैं।

व्यावहारिक तरीके खोज रहे हैं। गौरतलब है कि भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी अमेरिका दौरे के दौरान रक्षा, व्यापार और रणनीतिक सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से अमेरिकी प्रशासन में कई उच्च स्तरीय बैठकें कीं। वाशिंगटन में, मिसरी ने एलब्रिज कोल्बी और माइक डफी सहित वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की, जिसमें रक्षा आदान-प्रदान और औद्योगिक सहयोग पर ध्यान केंद्रित किया गया।

स्पाइसजेट में स्टाफ की होगी छंटनी

नई दिल्ली, एजेंसी

देश की प्राइवेट एयरलाइन स्पाइसजेट गंभीर संकट से गुजर रही है। परिचालन क्षमता घटने पर कंपनी ने 20% स्टाफ कम करने का फैसला किया है, जिसमें 500 से ज्यादा कर्मचारियों को बिना वेतन अस्थायी अवकाश पर भेजा जा सकता है। एयरलाइन के पास 6,800 कर्मचारी हैं। अपने केवल 13 विमान बचे हैं, जिनमें 10 बोइंग और 3 Q400 शामिल हैं। इसके अलावा 14 विमान वेट-लीज (क्रू सहित) पर चल रहे हैं।

सीनियर अफसरों को जनवरी से वेतन नहीं मिला है और अन्य कर्मचारियों की सैलरी 2-3 महीने देरी से मिल रही है। कंपनी पर जीएसटी, टीडीएस और पीएफ का 100 करोड़ से अधिक बकाया है। टीडीएस अप्रैल 2025 से व जीएसटी 5 महीनों से जमा नहीं हुआ

- सीनियर अफसरों को जनवरी से सैलरी नहीं मिली

है। एयरलाइन ने इस्तीफा दे चुके दर्जनों इंजीनियरों का तीन महीने का नोटिस पीरियड खत्म कर दिया है। 31 मार्च के आदेश के बाद इन कर्मचारियों को तुरंत नौकरी छोड़ने को कहा गया है। घरेलू बाजार में स्पाइसजेट की हिस्सेदारी गिरकर महज 3.9% रह गई है। तुलनात्मक रूप से नई एयरलाइन अकासा की 37 विमानों और 5,000 कर्मचारियों के साथ हिस्सेदारी 4.9% है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96